RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:03 ता. 26 जून 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

शपथ लेते समय सांसद ने किया बालासोहब का जिक्र, प्रोटेम स्पीकर ने टोका

-कहा- सुनिए...ऐसा नहीं करना है, जो शपथ पत्र में लिखा है वही पढ़िए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

18वीं लोकसभा का सत्र शुरु हो चुका है और चुने गए सांसदों को लोकसभा की सदस्यता की शपद दिलाई जा रही है। वहीं आज महाराष्ट्र के हिंगोली से चुनाव जीत कर संसद पहुंचे शिवसेना (यूबीटी) के सांसद नागेश बापूराव पाटिल आष्टिकर ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते हुए ''हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब जी ठाकरे'' का उल्लेख किया जिस पर प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कहा कि वह मराठी में निर्धारित प्रारूप में लिखित शपथ पत्र को ही पढ़ें। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन जब शपथ लेने के लिए शिवसेना के आष्टिकर का नाम पुकारा गया तो उन्होंने शपथ शुरु करते समय अपना नाम लेने के बाद ''हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब जी ठाकरे'' का उल्लेख करते हुए शपथ पढ़नी शुरू की। इस पर प्रोटेम स्पीकर महताब ने उन्हें टोका और कहा कि सुनिए..ऐसा नहीं करना है। जो शपथ पत्र रखा गया है, मराठी में है, वही पढ़िए। फिर आष्टिकर ने लोकसभा सचिवालय द्वारा पोडियम पर रखे गए शपथ पत्र को पढ़ा। उल्लेखनीय है कि बालासाहेब ठाकरे शिवसेना के संस्थापक थे। उन्हें दल के नेता और समर्थक 'हिंदू हृदय सम्राट' की उपमा देते रहे हैं।

लव मैरिज के लिए बने कानून, नहीं बना तो करेंगे आंदोलन

हरियाणा की खाप पंचायतों का केंद्र सरकार को दी चेतावनी

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा के खाप पंचायत ने केंद्र की मोदी सरकार से मांग की है कि लव मैरिज को लेकर एक कानून बनाया जाए और इसमें मां-बाप से सहमति लेने को अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा लिव-इन-रिलेशनशिप को खत्म किया जाए। खाप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार उनकी बात नहीं सुनती है तो वे विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। कांडेला, माजरा, नौ गामा, बिनैन, कलवा तापा और थुवा काप ने ये मांगें सरकार के सामने रखी हैं। खाप का कहना है कि केंद्र सरकार दोनों मामलों को लेकर कानून नहीं बनाती है तो विपक्ष भी लोकसभा में ये मांग उठाए। माजरा खाप के प्रवक्ता ने कहा कि लव मैरिज या फिर कोर्ट मैरिज पर हमें आपत्ति नहीं है लेकिन इसके लिए मां-बाप की इजाजत लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब एक पिता अपनी बेटी को पालकर बड़ा करता है और इसके बाद वह लव के चक्कर में भाग जाती है तो बहुत दुख होता है। इसलिए केंद्र सरकार को इसको लेकर कानून बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शादी की उम्र सीमा को भी कम किया जाना चाहिए। सरकार को लड़कियों की शादी की उम्र घटाकर 16 साल कर देनी चाहिए। माजरा खाप के गुरविंदर सिंह संधू ने कहा कि 24 खाप पंचायतों की मांग है कि लिव इन रिलेशनशिप ने समाज में गंदगी फैला दी है और इसे गैरकानूनी घोषित किया जाना चाहिए। बता दें कि हरियाणा में अकसर ऑनर किलिंग के मामले सामने आते हैं। हाल ही में हांसी में एक प्रेमी जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो महीने पहले ही उन्होंने लव मैरेज की थी।

किरण चौधरी की वजह से छोड़ी थी कांग्रेस, नहीं लड़ूंगा अगला चुनाव

-सांसद धर्मवीर ने राव इंद्रजीत को राज्य मंत्री बनाए जाने पर सवाल उठाए

रेवाड़ी।

हरियाणा में भाजपा के भिवानी-महेंद्रगढ़ से लगातार तीसरी बार सांसद बने चौधरी धर्मवीर सिंह ने ऐसा बयान दे दिया है, जिसे सुन सब चौंक गए हैं। दरअसल धर्मवीर कह रहे, कि-2024 में यह मेरा आखिरी चुनाव था। इसके बाद मैं कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। अब यह बात उन्होंने यूं ही कही या नाराज होकर इस पर भी चर्चा आम है। एक पक्ष कह रहा कि चौधरी की नाराजगी किरण चौधरी से है, जो पूर्व सीएम बंसीलाल की बहू हैं। इन्हें चौधरी का कट्टर विरोधी माना जाता है। किरण चौधरी की बेटी श्रुति चौधरी को भिवानी-महेंद्रगढ़ से टिकट मिलने की वजह से उन्होंने कांग्रेस छोड़ी थी। अब किरण और श्रुति 19 जून को बीजेपी में शामिल हुई हैं। उनकी इस भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट पर लोकसभा टिकट की भी दावेदारी हो चुकी है। इतना ही नहीं चौधरी धर्मवीर सिंह ने राव इंद्रजीत को राज्य मंत्री बनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। धर्मवीर ने कहा कि अहीरवाल के लोगों में नाराजगी है। राव इंद्रजीत सिंह को राज्यमंत्री बनाया है। जबकि लोगों को उम्मीद थी कि इस बार उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। चौधरी धर्मवीर ने परिवारिक सदस्य के चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा-ये उनकी मर्जी है कि वह चुनाव लड़े या ना लड़े। धर्मवीर ने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि प्रदेश में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनेगी। धर्मवीर को इस बार केंद्र में मंत्रीपद की दौड़ में माना जा रहा था। हालांकि हरियाणा में बीजेपी की गैर जाट पॉलिटिक्स की वजह से वह पिछड़ गए और पंजाबी चेहरे खट्टर, गुर्जर समुदाय से कृष्णपाल गुर्जर और अहीर समाज से राव इंद्रजीत को मंत्री बना दिया। धर्मवीर जाट समाज से आते हैं।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने ली रामसेतु की तस्वीर, की शेयर

यह सेतु दक्षिण-पूर्वी तट के रामेश्वरम द्वीप से 48 किमी दूर तक फैला है

नई दिल्ली। (एजेंसी)

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कोपरनिकस सेंटिनल-2 सेटेलाइट से ली राम सेतु की तस्वीर साझा की है। इसे एडम ब्रिज नाम से भी जाना जाता है, यह भारत-श्रीलंका को जोड़ने वाली चट्टानों की एक श्रृंखला है। राम सेतु भारत के दक्षिण-पूर्वी तट से दूर रामेश्वरम द्वीप से 48 किमी दूर तक फैला है, जो श्रीलंका के मन्नार द्वीप को जोड़ता है। इस सेतु से समुद्र का एक बड़ा हिस्सा दो भागों में बंट जाता है। एक दक्षिण में मन्नार की खाड़ी और दूसरा उत्तर में पाक जलडमरूमध्य।

वैसे तो रामसेतु कैसे बना, इस बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि ये चट्टानें असल में पहले जमीन का हिस्सा थीं जो भारत-श्रीलंका को आपस में जोड़ती थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये प्राकृतिक पुल 15वीं सदी तक चलने लायक था, लेकिन फिर तूफानों की वजह से धीरे-धीरे कटता गया। इन चट्टानों में से कुछ ऊपर पानी से बाहर दिखने लगी, यानी वहां थोड़ी दूर तक समुद्र उथला है। वहां पानी का रंग हल्का होने से पता चलता है कि समुद्र की गहराई वहां सिर्फ 1 से 10 मीटर के बीच ही है। श्रीलंका के पास मन्नार द्वीप करीब 130 वर्ग किलोमीटर का है और ये जमीन से भी जुड़ा हुआ है। इस द्वीप पर जाने के लिए सड़क और रेल पुल भी बनाया गया है।

भारत की तरफ, रामेश्वरम द्वीप तक दो किलोमीटर लंबे पंबन पुल जाया जा सकता है। यहां दो मुख्य शहर हैं, पंबन जो पश्चिमी छोर पर है और दूसरा रामेश्वरम, जो पंबन से करीब 10 किमी पूर्व में स्थित है। गौरतलब है कि राम सेतु के दोनों हिस्से अपने-अपने देशों में राष्ट्रीय पार्क के अंतर्गत आते हैं, ये संरक्षित क्षेत्र हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि इन रेतीले टीलों पर कई तरह के पक्षी रहते हैं, इस उथले पानी में कई तरह की मछलियां और समुद्री घास भी पाई जाती हैं। एडम ब्रिज के आसपास समुद्री जीवन में डॉल्फिन, डुगोंग और कछुए पाए जाते हैं। बता दें कि इस साल भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने राम सेतु के शुरुआती पॉइंट अरिचल मुनाई का दौरा किया था।

पेपर लीक में दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास और लगेगा एक करोड़ का जुर्माना

योगी सरकार लाएगी अध्यादेश

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अध्यादेश के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सजा के कड़े प्राविधान सम्मिलित किए गए हैं, जिनमें दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पहले भी पेपर लीक जैसे मामलों पर कड़े कदम उठा चुकी है और अब इस अध्यादेश को इसी क्रम में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस आशय का निर्णय मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया।

बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 44 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें 43 को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। अनुमोदित प्रस्तावों में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश 2024 भी शामिल रहा। वित्त मंत्री ने बताया कि पेपर लीक के संबंध में मंत्रिपरिषद के द्वारा अध्यादेश के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है, जिसमें यदि कोई संस्था या उससे जुड़े लोग पकड़े जाएंगे तो उन्हें दो वर्ष से लेकर आजीवन कारावास की सजा और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्राविधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अध्यादेश के तहत लोकसेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश बोर्ड, विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या निकाय या उनके द्वारा नामित संस्था भी इसमें सम्मिलित हैं।

यह अध्यादेश किसी प्रकार की भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या पदोन्नती करने वाली परीक्षाएं, डिग्री-डिप्लोमा, प्रमाण पत्रों या शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर भी लागू होगा। इसके अंतर्गत फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना इत्यादि दंडनीय अपराध बनाए गए हैं।

अधिनियम के प्राविधानों के उल्लंघन पर अध्यादेश के अंतर्गत दोषियों को दो वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा, जबकि एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्राविधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि यदि परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले वित्तीय भार को सॉल्वर गिरोह से वसूलने तथा परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली संस्था तथा सेवा प्रदाताओं को सदैव के लिए ब्लैक लिस्ट करने का भी प्राविधान किया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट से सीएम केजरीवाल को झटका, निचली अदालत का फैसला रद्द

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से जबरदस्त झटका लगा है। दरअसल हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें सीएम केजरीवाल को जमानत दे दी गई थी। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर कुमार जैन की पीठ ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक बरकरार रखी। आज अदालत ने मामले की सुनवाई के प्रारंभ में कहा कि निचली अदालत की अवकाशकालीन पीठ द्वारा केजरीवाल को जमानत देते समय अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने कहा, कि हमने दोनों पक्षों को सुना, लेकिन निचली अदालत ने ईडी के दस्तावेजों पर गौर नहीं किया। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने पीएमएलए की धारा 45 की दोहरी शर्तों पर गौर नहीं किया। इसी के साथ दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। मामले की सुनवाके दौरान ईडी की तरफ से अदालत में पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजू ने दलील दी कि निचली अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि इतने दस्तावेज पढ़ना संभव नहीं था। इस तरह की टिप्पणी पूरी तरह से अनुचित थी और यह दर्शाती है कि ट्रायल कोर्ट ने रिकॉर्ड पर ध्यान ही नहीं दिया।

लोकसभा स्पीकर पद को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन में गतिरोध

विपक्ष का डिप्टी सीएम बनाने के लिए राजनाथ सिंह ने नहीं किया फोन : राहुल गांधी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने मंगलवार को केरल से आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामित किया। सुरेश का स्पीकर के नामांकन इंडिया गठबंधन और बीजेपी नीत एनडीए के बीच गतिरोध को उजाकर करता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को कोटा को फिर से नियुक्त करने के लिए आम सहमति बनाने का काम सौंपा गया था। वहीं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एनडीए के उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए राजनाथ सिंह ने फोन किया था। राहुल ने कहा कि परंपरा के मुताबिक उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह ने मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया, और उन्होंने उनसे स्पीकर को समर्थन देने की बात कही। विपक्ष ने कहा कि हम स्पीकर का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा के मुताबिक डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह देंगे।

हुल ने कहा कि राजनाथ सिंह ने कहा था कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस फोन करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। राहुल गांधी की इस बात पर राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे एक वरिष्ठ नेता हैं और मैं उनका सम्मान करता हूं। कल से मेरी खड़गेजी से तीन बार बातचीत हो चुकी है।

एनडीए के सभी सहयोगियों ने ओम बिड़ला के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। लोकसभा में बीजेपी नीत एनडीए के 293 सदस्य हैं। दूसरी ओर, टीएमसी को छोड़कर सभी प्रमुख इंडिया ब्लॉक सदस्यों ने सुरेश के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि लोकसभा स्पीकर पद के लिए के सुरेश को मैदान में उतारने पर टीएमसी से सलाह नहीं ली गई और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के जवाब का इंतजार कर रही है।

आपातकाल: कांग्रेस और उनके नेताओं की क्रूर व तानाशाही मानसिकता का प्रमाण

-50वीं बरसी पर अमित शाह ने विरोध और संघर्ष करने वालों को किया नमन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आज पूरे देश में आपातकाल के पचास साल पूरे हो गए हैं। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के नेतृत्व में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 50 साल पहले आपातकाल लगाए जाने को देश के इतिहास में काला अध्याय बताते हुए इसके विरोध में आंदोलन करने वालों के संघर्ष को नमन किया है।

शाह ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा-देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास है। 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे। आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को मैं नमन करता हूं। उन्होंने कहा लोकतांत्रिक इतिहास में यह काला अध्याय कांग्रेस और उनके नेताओं की क्रूर व तानाशाही मानसिकता का प्रमाण है। देश के लोकतंत्र पर कांग्रेस का यह कुठाराघात ऐसा कलंक है जिसको भविष्य में आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी इसे कभी मिटाया नहीं जा सकता। लोकतंत्र के खिलाफ भयावह षड्यन्त्र रचने वाली कांग्रेस आज भी भ्रम फैला रही है और लोकतंत्र के संवैधानिक ढांचे पर प्रहार कर रही है। कांग्रेस की इस मानसिकता को देश का हर नागरिक पहचान चुका है।

ग्लेशियर पर बनी झील की दीवार टूटी, फ्रांस-स्विट्जरलैंड में दर्दनाक हादसा

पानी, बड़े बर्फ के टुकड़े, पत्थर, मिट्टी और मलबा बहते हुए तेजी से ला बेरार्ड गांव में आया

पेरिस। (एजेंसी)

फ्रांस में खूब बारिश के बाद ग्लेशियर पर बनी झील की दीवार टूटी। यानी ग्लेशियल लेक टूटी। इसके बाद पानी, बड़े बर्फ के टुकड़े, पत्थर, मिट्टी और मलबा बहते हुए तेजी से ला बेरार्ड गांव में आया। यह फ्रांस का खूबसूरत स्की रिजॉर्ट है। जहां दुनिया भर से स्कीयर आते हैं। ला बेरार्डे से करीब 135 किलोमीटर दूर स्विट्जरलैंड के जरमैट में इसी तरह का मौसम बना। वहां भी मैटरविस्पा नदी में फ्लैश फ्लड आया। जिससे नदी के किनारे टूट गए। इसकी वजह से जरमैट कस्बे में बाढ़ आ गई। पूरे कस्बे में यातायात बंद हो गया। न ट्रेन चल रही है। न ही गाड़ियों के चलने लायक सड़क बची है। स्विट्जरलैंड में प्रशासन ने इस आपदा को चौथे स्तर की आपदा बताई है। रोन नदी और उसकी शाखाएं भी बाढ़ग्रस्त हैं। प्रशासन को आशंका है कि इसकी वजह से और जगहों पर भी बाढ़ आएगी। जहां से आपदा आई, वो एल्प्स के पहाड़ कम से कम 4000 मीटर ऊंचे हैं। अच्छी बात ये है कि इस घटना में किसी के मौत की खबर नहीं आई है। हालांकि पूरा कस्बा बर्बाद हो गया है। घर टूट गए हैं। सड़कें लापता हो गई हैं। सैकड़ों लोगों यानी कस्बे के स्थानीय लोग और पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इमरजेंसी सर्विसेस ने हेलिकॉप्टर के जरिए वहां फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। ला बेरार्डे के ऊपर एल्प्स के पहाड़ हैं।

जहां पर बॉनपियरे ग्लेशियर मौजूद है। यह ग्लेशियर 2600 मीटर यानी 8530 फीट ऊपर ग्लेशियल लेक टूटी। यह लेक 40 घंटे पहले ही बनी थी। वैज्ञानिक इसे सुप्राग्लेशियल लेक कह रहे हैं। यानी बारिश और बर्फ के पिघलने से तत्काल बनी झील। जिसकी दीवार टूटी तो ला बेरार्डे में आपदा आई। बता दें कि एकरिन नेशनल पार्क में आता है, जो एल्प्स की

पहाड़ियों में बसा है। लगातार बारिश की वजह से 2600 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद बर्फ पिघली। ग्लेशियल लेक टूटी और इससे फ्लैश फ्लड आया। अचानक आई इस बाढ़ ने इंटैनकॉन्स टोरेंट नाम के ब्रिज को तोड़ दिया। यह इकलौता ब्रिज था, जिसके जरिए ला बेरार्डे जाया जाता था।

इतिहास में पहली बार होगा लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव

-सत्ता और विपक्ष के उम्मीदवार सामने आए

नई दिल्ली । (एजेंसी)

24 जून को 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हुआ तब ये तय माना जा रहा था कि सत्ता और विपक्ष में इस बार जोरदार घमासान देखने को जरूर मिलेगा। हालांकि, लोकसभा स्पीकर पद पर ही ये देखने को मिल जाएगा, ये शायद ही किसी ने सोचा होगा। जी हां, इतिहास में पहली बार लोकसभा अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा।

एनडीए और इंडिया गठबंधन की ओर से स्पीकर पद के लिए उम्मीदवार सामने आ चुके हैं। उन्होंने नामांकन भी कर दिया है। नॉमिनेशन के दौरान जो तस्वीर आई वे बहुत कुछ बयां कर रही है। जिस तरह दोनों ही ओर से उम्मीदवारों उतारे उससे मुकाबला दिलचस्प होगा। खास बात ये है कि लोकसभा के रण में दोनों ओर की सेनाएं तैयार हैं। अब देखना होगा कि बाजी कौन मारता है।

लोकसभा स्पीकर पद के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की ओर से ओम बिरला ने नामांकन किया है। वे पिछले सत्र में भी लोकसभा अध्यक्ष थे। इस बार जब बिरला ने नामांकन किया तब उनके सपोर्ट में पूरा एनडीए गुट एकजुट दिखा। बिरला के पक्ष में प्रस्ताव पत्र पर हस्ताक्षर के दौरान अमित शाह, जेपी नड्डा सहित बीजेपी के दिग्गज नेता मौजूद रहे। चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, अनुप्रिया पटेल सहित एनडीए के तमाम दिग्गज मौजूद रहे। उधर विपक्ष की ओर से स्पीकर पद के उम्मीदवार के सुरेश के नामांकन में मोर्चा कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने संभाला। डी राजा भी इस मौके पर मौजूद रहे। दरअसल लोकसभा स्पीकर को लेकर विपक्ष ने दावेदारी का फैसला यूं ही नहीं किया है। ऐसा इसलिए हो रहा क्योंकि लोकसभा में 2014 और 2019 के मुकाबले तस्वीर बदल चुकी है। इस बार विपक्षी गठबंधन मजूबत बनकर उभरा है। सत्ताधारी गुट में जहां 293 सांसद जीतकर आए हैं, विपक्ष का आंकड़ा 234 है। लोकसभा में बदले हालात का असर लोकसभा स्पीकर पद पर दावेदारी के दौरान दिखा। हुआ ये कि अब तक स्पीकर का पद सत्ता पक्ष को ही मिलता था। हालांकि, इसमें विपक्ष की आम सहमति होती थी। वहीं डिप्टी स्पीकर विपक्ष की ओर से होता था। हालांकि, इस बार मोदी सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई। बस यहीं पेंच फंस गया।

मुंबई में नई सोसाइटियों में मिले मराठियों को 50फीसदी मकान

विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव गुट मराठा कार्ड खेलने की तैयारी में

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र में हाल ही हुए लोकसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) बहुत खुश हैं और वह अब आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। यही नहीं उद्धव ठाकरे गुट अब चुनाव में मराठा कार्ड खेलने की तैयारी कर रहा है। उसने विधान परिषद में प्राइवेट मेंबर बिल पेश करने का निर्णय लिया है, जिसमें मुंबई शहर में बनने वाली नई बिल्डिंगों में मराठियों को 50 फीसदी कोटा देने की मांग की जाएगी। सदन में बिल पेश करने के लिए डिप्टी चेयरपर्सन से मंजूरी का इंतजार है। बिल में मांग उठाई है कि यदि नई बनी सोसायटी में 50 फीसदी मराठा कोटे की शर्त को पूरा नहीं किया जाता है तो फिर बिल्डर पर दस लाख रुपए तक का जुर्माना लगे या फिर छह महीने कैद की सजा का प्रावधान किया जाए।

महाराष्ट्र विधानपरिषद में कुल 78 सदस्य हैं, जिसमें उद्धव गुट के 9 सदस्य हैं। इसके अलावा विधानसभा में उसके 15 विधायक हैं, जहां की संख्या 288 है। बता दें कि विधानपरिषद से लेकर विधानसभा तक में एनडीए का बहुमत है। विधानसभा में बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए के कुल 212 विधायक हैं। वहीं विधान परिषद में उसके कुल 28 सदस्य हैं। विधान परिषद में प्राइवेट मेंबर बिल उद्धव गुट के नेता अनिल परब लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मराठी भाषी लोगों को उनकी पहचान और खानपान के आधार पर मकान ही नहीं दिए गए। ऐसी स्थिति चिंताजनक है। ऐसे में हमारी मांग है कि नई सोसायटियों में मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि खानपान और धर्म के नाम पर होने वाला किसी भी तरह का भेदभाव असंवैधानिक है।

उन्होंने विले पार्ले की एक सोसायटी का जिक्र करते हुए कहा कि बिल्डर ने मराठी लोगों को घर देने से मना कर दिया। इसके लिए उसने मराठी लोगों के खानपान का तर्क दिया था।

उन्होंने कहा कि मराठी लोगों ने इसका विरोध भी किया था, लेकिन किसी ने संज्ञान नहीं लिया और सरकार भी चुप्प रही। जब मीडिया में मामला उठा तो बिल्डर ने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि आज ऐसी स्थिति है कि मुंबई में मराठी बोलने वाले लोगों की संख्या कम हो रही है। बता दें कि दोनों सदनों का कोई भी सदस्य अपने स्तर पर प्राइवेट बिल ला सकता है।

बीजेपी-कांग्रेस दोनों संविधान को कर रहे खत्म, बचाने का कर रहे नाटक

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने संवाददाता सम्मेलन में लगाए आरोप

लखनऊ। (एजेंसी)

आज आपातकाल की बरसी है और बीजेपी संविधान को लेकर कांग्रेस को निशाना बना रही है तो वहीं इंडिया गठबंधन मोदी सरकार पर आरोप लगा रहा है कि बीजेपी संविधान खत्म करना चाहती है। दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए खुद को संविधान और लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक होने का दावा कर रहे हैं लेकिन इस बीच बहुजन समाजपार्टी की मुखिया मायावती ने एनडीए और इंडिया गठबंधन पर आरोल लगाया है कि ये दोनों मिलकर संविधान को धीरे-धीरे खत्म कर रहे हैं। लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन में मायावती बीजेपी और कांग्रेस पर बरसीं। संसद में विपक्षी सांसदों द्वारा सत्ता पक्ष को संविधान की प्रतियां दिखाये जाने के मुद्दे पर मायावती ने कहा कि ये दोनों ही पार्टियां एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। मायावती ने आरोप लगाया कि इन दोनों ने ही संविधान को जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी बना दिया है। मायावती ने यह भी आरोप लगाया है कि सत्तापक्ष और विपक्ष की आपस में मिलीभगत है और जबरदस्ती संविधान बचाने का नाटक कर रहे हैं। मायावती ने आरोप लगाया है कि दोनों ही अपने राजनीतिक स्वार्थ पूरे करने के लिए भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस ने मिलकर संविधान में इतने संशोधन कर दिये कि अब ये समतामूलक और धर्मनिरपेक्ष नहीं बल्कि पूंजीवादी, जातिवादी और सांप्रदायिक संविधान बनकर रह गया है। मायावती ने आगे कहा कि ये दोनों ही पार्टियां आरक्षण समाप्त करना चाहती हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह दोनों पार्टियां एससी, एसटी और आदिवासी वर्ग को संविधान का लाभ नहीं देना चाहती हैं।

कांग्रेस ने तब संविधान के साथ देश की आत्मा पर भी कुठाराघात किया

- आपातकाल की 50वीं बरसी पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस को बनाया निशाना

नई दिल्ली।

एनडीए सरकार में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रदान ने तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी सरकार द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर कांग्रेस पर निशाना साधा और कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ लड़ने वाले लोगों को नमन किया। प्रधान ने अपने एक्स पर पोस्ट में लिखा-1975 में आज ही के दिन कांग्रेस सरकार ने अपनी सत्तालोलुपता और व्यक्तिगत स्वार्थ साधने के लिए लोकतंत्र का गला घोंट दिया था और देश में आपातकाल लगा दिया था। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने संविधान के साथ-साथ देश की आत्मा पर भी कुठराघात किया था। यह हमारे लोकतन्त्र का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी देशभक्तों को नमन करता हूं, जिन्होंने लोकतन्त्र को पुनर्स्थापित करने और संविधान की मर्यादा को बचाने के लिए कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गौरतलब है कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंतबी इंदिरा गांधी की सरकार ने आंतरिक सुरक्षा का हवाला देते देश में आपातकाल लागू कर दिया था। आपातकाल लागू होते ही आंतरिक सुरक्षा कानून के तहत राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी हुई। जिसमें जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडीस जैसे नेताओं को जेल में डाल दिया गया। नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। प्रेस पर भी पाबंदियां लगा दी गई थीं।

क्या तीस्ता जल बंटवारा संधि पर झूठ बोल रही टीएमसी सरकार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

क्या तीस्ता जल बंटवारा संधि पर ममता सरकार के आरोप निराधार हैं? मोदी सरकार ने तीन उदाहरण सूचीबद्ध किए, जहां बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल-बंटवारे पर चर्चा से पहले पश्चिम बंगाल का इनपुट लिया गया था। दरअसल ममता सरकार ने केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए बांग्लादेश के साथ बातचीत शुरू करने का निर्णय लेने से पहले राज्य से परामर्श नहीं किया। केंद्र सरकार के सूत्रों ने बताया कि माह की शुरुआत में बांग्लादेश सरकार के साथ हुई तीस्ता जल-बंटवारे वार्ता के संबंध में ममता सरकार को सूचित किया था।

यह बात केंद्र को इसलिए कहनी पड़ी क्योंकि ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि के संबंध में बांग्लादेश के साथ चर्चा से राज्य सरकार को बाहर करने पर केंद्र द्वारा कड़ी आपत्ति जाहिर की और बांग्लादेश के साथ इस तरह की कोई भी चर्चा नहीं करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच संधि सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के एक दिन बाद तृणमूल की यह टिप्पणी आई।

राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि राज्य संधि का एक पक्ष है, लेकिन उससे परामर्श नहीं किया गया। ओब्रायन ने कहा, राज्य इस संधि का एक पक्ष है। पिछली संधि के तहत हमारा बकाया भी अब तक नहीं चुकाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, गंगा के तल की खुदाई रोक दी गई है। यह बाढ़ और कटाव का मुख्य कारण है। यह बंगाल को बेचने की योजना है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत और बांग्लादेश 1996 की गंगा जल संधि के नवीनीकरण के लिए तकनीकी स्तर की वार्ता शुरू करने तथा तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक भारतीय तकनीकी दल शीघ्र ही बांग्लादेश का दौरा करेगा। बात दें कि भारत और बांग्लादेश द्वारा 1996 में हस्ताक्षरित गंगा जल संधि 30 वर्ष की संधि है, जो 2026 में समाप्त होगी तथा इस आपसी सहमति से रीन्यू किया जा सकता है।

लोकसभा स्पीकर पद को लेकर बन ही गई थी सहमति तभी वेणुगोपाल ने कर दिया खेला

-विपक्ष को डिप्टी स्पीकर पद देने पर अड़ गए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा स्पीकर पद को लेकर बीजेपी नीत एनडीए सरकार और इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के बाद अब लोकसभा स्पीकर पद के लिए चुनाव होगा। एनडीए ने जहां बीजेपी सांसद ओम बिरला को उम्मीदवार बनाया है, वहीं इंडिया ब्लॉक ने आठ बार के कांग्रेस सांसद के सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला लिया है। स्पीकर पद के लिए चुनाव बुधवार सुबह 11 बजे होगा। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह तीसरा मौका है, जब लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होने जा रहा है। इससे पहले 1952 और 1976 में चुनाव के जरिए लोकसभा स्पीकर पद चुना गया था। 48 सालों में लोकसभा में सभी स्पीकर सर्वसम्मति से चुने गए हैं। इस बार भी दोनों पक्षों के बीच आम सहमति बन गई थी। एनडीए ने राजनाथ सिंह को विपक्ष के साथ बातचीत करने और सहमति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष समेत इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बातचीत कर स्पीकर पद के लिए सहमति बनाने की प्रयास भी किया। इसे लेकर मंगलवार सुबह उनके दफ्तर में एक बैठक हुई, लेकिन ऐन मौके पर कुछ ऐसी बात हो गई कि चुनाव कराने की नौबत आ गई। स्पीकर पद को लेकर राजनाथ सिंह के दफ्तर में बैठक बुलाई गई थी। एनडीए के सभी सहयोगी दल तय समय पर राजनाथ सिंह के दफ्तर पहुंच गए। एनडीए की 10-12 मिनट तक चली बैठक के बाद डीएमके से टीआर बालू वहां पहुंचे। राजनाथ सिंह ने बालू से अलग से मुलाकात की। बालू सहमत हो गए तभी केसी वेणुगोपाल पहुंचे और शर्त रखी कि सरकार को विपक्ष को डिप्टी स्पीकर पद देने का वादा करना होगा। राजनाथ समेत बीजेपी और एनडीए के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने केसी वेणुगोपाल से कहा कि पहले स्पीकर पद पर सहमति बन जाए फिर डिप्टी स्पीकर पद पर बात की जाएगी और यह जब भी होगा तो विपक्ष से सलाह ली जाएगी। केसी वेणुगोपाल डिप्टी स्पीकर पद की मांग पर अड़े रहे और जब बात नहीं बनी तो विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

अब यूपी की तरह मुंबई में भी चलेगा बुलडोजर, महाराष्ट्र सीएम ने दिए निर्देश

-एक पब में युवाओं को नशीला पदार्थों का सेवन करते वीडियो वायरल होने के बाद शिंदे सरकार एक्शन में

मुंबई।

यूपी में योगी के बुलडोजर चलाने के बाद अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी योगी की तरह एक्शन मूड में आ गए हैं। सीएम शिंदे ने शहर में अवैध रुप से चल रहे पब और बार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए पुणे पुलिस आयुक्त को फोन पर आदेश दिया। यह आदेश एक वीडियो वायरल होने के बाद आया इस वीडियो में पुणे के एक पब में युवाओं को नशीली दवाओं जैसे पदार्थों का सेवन करते हुए दिखाया गया। सीएम शिंदे ने पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार को नशीले पदार्थों से जुड़ी अवैध संरचनाओं पर बुलडोजर चलाने और पुणे को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। शिंदे ने अधिकारियों को दवा विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने और निर्माण नियमों का उल्लंघन करने वाले अवैध पब और संरचनाओं को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। पुणे शहर में नशीले पदार्थ की बिक्री हो रही है, यह बात सामने आने पर सीएम शिंदे ने पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार को निर्देश दिए कि पुणे शहर के गैरकानूनी पब पर सख्त कार्रवाई करें और नशीले पदार्थ विक्रेताओं पर नए से कड़ी कार्रवाई शुरू करें। इस संदर्भ के अवैध निर्माण कार्यों पर बुलडोजर चलाकर कड़ी कार्रवाई करें। पुणे शहर को नशीले पदार्थ से मुक्त शहर बनाने के लिए जो जरुरी हो वह सभी तरीके अपनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पुणे में एक बार में नशीली दवाओं के इस्तेमाल को दिखाने वाले एक वीडियो सामने आने के बाद 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया और बाद में पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। घटना के सिलसिले में चार पुलिस कर्मियों को भी निलंबित किया गया है।

दिल्ली में मस्जिद के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, लोगों ने किया हंगामा

नई दिल्ली।

दिल्ली के मंगोलपुरी में एक मस्जिद के अवैध हिस्से हो हटाने के लिए मंगलवार सुबह बुलडोजर पहुंच गया और अवैध हिस्से को दिल्ली नगर निगम ने हटा दिया। दिल्ली पुलिस की भारी सुरक्षा के बीच कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा हो गई। कार्रवाई करने के लिए टीम को विरोध का सामना भी करना पड़ा। दिल्ली पुलिस के साथ ही पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोग भारी संख्या में एकजुट होकर घटनास्थल पर पहुंच गए थे। इस दौरान कई लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। निगम के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई के दौरान विरोध करने वाले लोगों ने पथराव करने का प्रयास भी किया। पुलिस ने संयम बरतने के साथ भीड़ को नियंत्रित कर समझाइश दी और अवैध निर्माण को हटा दिया। निगम प्रशासन ने कुछ दिन पहले सिविक सेंटर पर दिल्ली में कई जगहों पर सड़कों, कॉलोनियों अवैध कब्जे और अतिक्रमण की खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बैठक की थी। बैठक में कई बिंदुओं पर बातचीत हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में अन्य हिस्सों में भी अतिक्रमण की पहचान की गई है। इस पर भी पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी।

सितंबर में होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय सोलर महोत्सव की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव सितंबर में नई दिल्ली में शुरू होगा, जहां वैश्विक मंच में अफ्रीकी महाद्वीप और पश्चिम के देशों के साथ-साथ एशिया डेवलपमेंट बैंक, संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड बैंक जैसी कई अन्य संस्थाएं भाग लेंगी। जो रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए और ग्लोबल स्तर पर फॉसिल एनर्जी पर निर्भरता का कम करने के लिए वित्तीय मदद करेगी। इस महोत्सव की मेजबानी भारत करेगा। अंतर्राष्ट्रीय सौर एलायंस टूल इंडिया के महानिदेशक डॉ अजय माथुर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को मजबूत बनाने की सभी संभावनाओं का पता लगाने के लिए विश्व स्तर पर सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने के लिए इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है क्योंकि सौर ऊर्जा सबसे उभरते हुए बिजली क्षेत्रों में से एक है और अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव जैसे महोत्सवों में इस पर विचार-विमर्श किया जाएगा।भारत इस साल सितंबर में अंतरराष्ट्रीय महोत्सव की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। ये जानकारी नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सोलर एलायंस ने दी है। इससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का सोलराइजेशन और भारत में रिन्यूएबल ग्रीन एनर्जी से पेट्रोलियम को बदलने में मदद होगी। सोलर महोत्सव नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व को बढ़ावा देगा।अंतरराष्ट्रीय सौर महोत्सव के घोषणा करते हुए रिन्यूबल मंत्रालय के सेक्रेटरी भूपेंद्र भल्ला ने कहा कि भारत ग्लोबल नेता है और इसलिए भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट फॉसिल और परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य रखा है। 485 गीगावॉट में से 300 गीगावॉट सोलर रिन्यूएबल एनर्जी द्वारा हासिल किया जाएगा।

योगी का कांग्रेस पर हमला.....चेहरा बदला हैं नीयत नहीं

आपातकाल का विरोध करने वाले सत्ता के लिए कांग्रेस की गोदी में बैठे

लखनऊ। (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी (सपा) का नाम लिए बिना निशाना साधकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 50 वर्ष पहले कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर लागू किए गए आपातकाल का विरोध करने वाले आज सत्ता के लालच में उसी कांग्रेस की गोद में जाकर बैठे हैं, इन्हें देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर सीएम योगी ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आपातकाल लागू कर संविधान का गला घोंटा था। इसके पहले भी देश की आजादी के बाद कांग्रेस ने संविधान में जबरन संशोधन कर कश्मीर में धारा 370 लागू कराई थी जो देश की एकता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा बन गई थी। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस के लिए लोकतांत्रिक प्रणाली और संविधान का मखौल उड़ाना कोई नई बात नहीं है। उनके नेताओं को जब मौका मिलता है, तब देश में नहीं बल्कि विदेशी में जाकर संविधान पर सवाल खड़े करते रहे हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने पिछले वर्षों में सरेआम संसद में एक विधेयक की प्रतियां जला कर लोकतंत्र का अपमान किया था। योगी ने कहा कि संविधान का बार बार अपमान करने वाली कांग्रेस का आज सिर्फ चेहरा बदला है, मगर चरित्र वहीं है। वहीं सत्ता के लालच में इमरजेंसी का विरोध करने वाले राजनेताओं द्वारा खड़े किए गए दल कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गए हैं।

यह पूरा देश देख रहा है और जनता इस माफ करने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल और केरल सहित आज जहां जहां भी कांग्रेस अथवा उसके सहयोगी दलों की सरकार है,वहां खुलेआम लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस और उसके सहयोगी संविधान की दुहाई देकर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास कर रहे है जो लोकतंत्र और संविधान का सरासर अपमान है।

भारत के घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने की मांग पर भड़का चीन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

वैसे तो भारत और चीन एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते हैं। लेकिन व्यापार में एक दूसरे के पक्के दोस्ते कहे जा सकते हैं। भारत में चीन से होने वाले आयात में कोई कमी नहीं हो रही, जबकि चीन को होने वाला भारतीय निर्यात घट रहा है। चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे के मद्देनजर भारतीय उद्योग जगत की तरफ से चीन से आयात को लेकर सख्त कदम उठाने और भारत के घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने की मांग होने लगी है।

देश के प्रमुख उद्योग चैंबर सीआईआई की तरफ से इलेक्ट्रानिक्स उद्योग ने आयात को लेकर सरकार से सख्ती करने की सलाह दी है। ऐसे में भारत में चीन के नए राजदूत शु फीहोंग ने संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों को जहर के समान करार दिया है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के एक पुराने बयान का सहारा लिया है और संरक्षणवाद को आर्थिक संवृद्धि के लिए खतरनाक बताया है। भारत चीन से इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों का काफी ज्यादा आयात करता है। सीआईआई ने भारत को इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों के मैन्यूफैक्चरिंग केंद्र के तौर पर स्थापित करने के लिए घरेलू कंपनियों को और ज्यादा प्रोत्साहन देने की मांग की है। सीआईआई ने चीन के साथ कारोबारी संबंधों की समीक्षा करने की बात कही है और चीन से बढ़ रहे आयात को लंबी अवधि में भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग के लिए घातक बताया है। 2023-24 में चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार देश रहा है। दोनों देशों का द्विपक्षीय कारोबार 118.4 अरब डॉलर का रहा था। इसमें भारत से चीन को निर्यात सिर्फ 16.67 अरब डालर का रहा था, जबकि चीन से भारत ने 101.7 अरब डालर का आयात किया था। फीहोंग ने एक्स के जरिये यह संदेश देने की कोशिश की है।

कोरियाई विमान 15 मिनट में 27 हजार फीट नीचे आया, यात्रियों के कान से खून निकला, 17 घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया से ताइवान जाने वाली बोइंग की फ्लाइट के ई189 उड़ान भरने के कुछ देर बाद अचानक 26,900 फीट नीचे आ गई, जिसके बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान कई यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत हुई और कान में दर्द हुआ। इसके बाद फ्लाइट के क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क लगाने को कहा। फ्लाइट ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजकर 45 मिनट पर दक्षिण कोरिया के इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान के 50 मिनट बाद ही उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण फ्लाइट 15 मिनट में ही 26,900 फीट नीचे आ गई। उस समय यह दक्षिण कोरिया के जेजू द्वीप के ऊपर थी। तब विमान के प्रेशर सिस्टम ने तकनीकी खराबी का सिग्नल दिया, जिसके बाद फ्लाइट को टेकऑफ की लोकेशन इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया।

15 यात्रियों के कान में दर्द

फ्लाइट की ऊंचाई अचानक कम होने की वजह से घायल हुए 17 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उन्हें कुछ समय बाद ही डिस्चार्ज कर दिया गया था। वहीं 15 यात्रियों ने कान के परदे में दर्द या हाइपरवेंटिलेशन की शिकायत की। यात्रियों ने बताया कि वे लोग बहुत डर गए थे और विमान में मौजूद बच्चे रोने लगे थे। यात्रियों को डर था कि कहीं फ्लाइट नीचे न गिर जाए। कोरियन एविएशन अथॉरिटी ने फ्लाइट की तकनीकी खराबी का कारण जानने के लिए जांच के आदेश दे दिए है। सभी यात्रियों को 19 घंटे बाद एक दूसरी फ्लाइट से ताइवान के ताइपे पहुंचा गया।

क्रीमिया पर हमले में अमेरिका मिसाइलों का इस्तेमाल....रुस नाराज

मास्को। रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल पर रूसी विदेश मंत्रालय ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए अमेरिकी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हुई और 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन के युद्ध में ''प्रभावी रूप से एक पक्ष बन गया है'' और ''निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई की जाएगी।'' क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। रूसी अधिकारियों ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों में दो बच्चे भी शामिल थे, जो बंदरगाह शहर सेवस्तोपोल के तटीय क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा दागी गई मिसाइलों के मलबे की चपेट में आ गए। रूसी अधिकारियों ने कहा कि हमलों में क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल हुआ। जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि लड़ाकों की तुलना में आम नागरिकों को इससे ज्यादा नुकसान होता है। रूस ने कहा कि ये मिसाइलें अमेरिका में बनी एटीएसीएमएस थीं, जो लंबी दूरी की निर्देशित मिसाइल है। रूस ने अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को विदेश मंत्रालय में तलब किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ''रूसी क्षेत्र में हमले को अनदेखा नहीं किया जाएगा।'' रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन की सेना पश्चिमी देशों से मिलने वाले हथियारों पर काफी हद तक निर्भर रही है। हालांकि, कुछ पश्चिमी देश रूस की नाराजगी के कारण यूक्रेन की सेना को और ज्यादा तथा परिष्कृत हथियार सहायता प्रदान करने में हिचकिचा रहे हैं।

गाजा में युद्ध को समाप्त होने की संभावनाए कम

तेल अवीव। गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव पर उस समय संदेह के बादल छा गए जब इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे केवल आंशिक युद्धविराम के समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार होऊंगा। जिससे युद्ध समाप्त नहीं होगा। नेतन्याहू की टिप्पणी से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों में आक्रोश फैल गया। नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में अब भी बंधक बनाए गए लगभग 120 लोगों का जिक्र कर कहा कि वह आंशिक समझौता करने के लिए तैयार हैं और यह कोई रहस्य नहीं है जिससे हमें कुछ लोग वापस मिल जाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन हम हमास को खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक विराम के बाद युद्ध जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इस छोड़ने को तैयार नहीं हूं। नेतन्याहू की यह टिप्पणी संवेदनशील समय में आई है जब इजराइल और हमास नवीनतम युद्ध विराम प्रस्ताव को लेकर और भी दूर होते दिख रहे हैं और यह युद्ध को समाप्त करने की कोशिश कर रहे मध्यस्थों के लिए एक और झटका हो सकता है।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में मतदान की अपील की

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में ''दुश्मन पर काबू पाने'' के लिए ''अधिक से अधिक संख्या'' में मतदान करने की अपील की है। खामेनेई ने शिया समुदाय के त्यौहार ईद-उल-गदीर के मौके पर दिए गए भाषण में यह टिप्पणी की। उन्होंने लोगों से ''अमेरिका मुर्दाबाद'' और ''इजराइल मुर्दाबाद'' के नारे कई बार लगवाए। खामेनेई के समर्थक एवं ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए थे जिसके कारण देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराना अनिवार्य हो गया। इस साल की शुरुआत में देश में हुए संसदीय चुनाव में न्यूनतम मतदान हुआ था।

हज के दौरान लू लगने से अमेरिकी दंपत्ति की मौत, परेशान बेटी ने किए चौंकाने वाले खुलासे

सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले 1,300 लोगों में एक अमेरिकी दंपत्ति भी शामिल था। उनकी पहचान बॉबी, मैरीलैंड के निवासियों के रूप में की गई। उनकी बेटी के अनुसार, हीट स्ट्रोक का शिकार होने से पहले 71 वर्षीय अल्हाजी अलीउ डौसी वुरी और 65 वर्षीय हाजा इसतु वुरी दोनों चिलचिलाती तापमान में 'दो घंटे से अधिक समय तक चले। इस वर्ष के हज के दौरान तापमान, जिसमें 1.8 मिलियन तीर्थयात्रियों ने भाग लिया, 122F (50C) को पार कर गया है। बीबीसी से बात करते हुए सईदा वुरी ने कहा कि उनके माता-पिता के टूर ऑपरेटर ने पर्याप्त भोजन और पेय पदार्थ जैसे अपने कई वादे पूरे नहीं किए हैं। सऊदी अरब पहुंचने के दो सप्ताह बादयह जोड़ा रविवार, 16 जून को लापता हो गया। उनकी परेशान बेटी को कुछ दिनों बाद उनके निधन के बारे में पता चला। सईदा के अनुसार, उनके माता-पिता ने हज के लिए मध्य पूर्व की यात्रा के लिए प्रत्येक को 11,500 डॉलर का भुगतान किया था, यह देखते हुए कि यह उनके लिए 'बहुत महत्वपूर्ण' था। 'यह कुछ ऐसा है जो वे अपने पूरे जीवन करना चाहते थे। वे बेहद उत्साहित थे।' मैरीलैंड से संचालित एक अमेरिकी टूरिंग फर्म द्वारा लगभग 100 अन्य तीर्थयात्रियों के एक समूह के साथ उनकी यात्रा की व्यवस्था की गई थी। यह दावा करते हुए कि टूर ऑपरेटर ने उसके माता-पिता को 'वादा की गई बहुत सी चीजें' प्रदान नहीं कीं, उसने कहा: 'उन्हें अपने लिए भोजन ढूंढने में कई दिन लग गए, जबकि पैकेज में हर दिन भोजन के साथ आना था।' उन्होंने यात्रा के लिए वादा किए गए आवश्यक परमिट और पंजीकरण उपलब्ध नहीं कराने के लिए टूर ऑपरेटर की आलोचना की।

स्पेन ने यूक्रेन को दी पैट्रियट मिसाइलों का दूसरी खेप

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच स्पेन ने यूक्रेन को पैट्रियट एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों के दूसरी खेप की आपूर्ति कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार मिसाइलों के दूसरे बैच की आपूर्ति 21 जून को की गई। मिसाइलों के अलावा, शिपमेंट में लियोपार्ड टैंक, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद, एंटी-ड्रोन सिस्टम, ऑप्टिकल-इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और रिमोट-नियंत्रित बुर्ज शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा कि मई के अंत में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने स्पेन की राजधानी मैड्रिड में एक द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

तेहरान में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सईद जलीली के समर्थक चुनाव अभियान के दौरान उमड़ पड़े।

चांद के सबसे अंधेरे हिस्से से मिट्टी लाया चीन, ऐसा करने वाला पहला देश बना, 2030 तक इंसानों को चांद पर भेजने का लक्ष्य

बीजिंग। चीन का मून मिशन चांद की सतह से मिट्टी लेकर धरती पर पहुंच गया है। इसी के साथ वह पहला देश बन गया है, जो चांद के अंधेरे हिस्से से सैंपल लाने में सफल रहा है। चीनी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन का वैंग ई-6 लैंडर 53 दिन बाद कैप्सूल में सैंपल लेकर धरती पर लौटा है। चीन ने 3 मई को वैंग ई-6 मिशन लॉन्च किया था। इस प्रोब का लक्ष्य चांद के सबसे दूर वाले हिस्से (जहां अंधेरा होता है) पर जाकर सैंपल इकट्ठे करके इन्हें धरती पर भेजना था। चीन ने 2030 तक इंसान को चांद पर भेजने का लक्ष्य रखा है। यह मिशन भी उसी टारगेट का हिस्सा है। अभी तक चांद पर जा चुके सभी 10 लूनर मिशन पास वाले हिस्से (जो हमें दिखता है) पर ही पहुंचे हैं। इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल हैं। ऐसे में चांद ने फार साइड से सैंपल लाकर स्पेस रेस में अमेरिका को कड़ी चुनौती दी है।

चांद की सतह से 2 किलो मिट्टी लाया

दरअसल, अब तक की रिसर्च में संभावना जताई गई है कि चांद के इस हिस्से पर बर्फ के तौर पर पानी मौजूद है। अमेरिका भी चांद के इसी हिस्से पर अपना बेस बनाना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैंग ई-6 मिशन अपने साथ चांद की सतह से 2 किलो मिट्टी लेकर लौटा है। चांद की सतह से सैंपल इकट्ठे करने के लिए ड्रिल और रोबोटिक आर्म का इस्तेमाल किया गया था। इसके जरिए चांद पर मौजूद 4 अरब साल पुराने क्रेटर से मिट्टी निकाली गई। इसके बाद सैंपल को एक कैप्सूल में डालकर री-एंट्री व्हीकल में ट्रांसफर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से रूस पर बड़ा एक्शन, यूक्रेन में नागरिकों पर हमला करने के लिए अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी

कीव (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने मंगलवार को यूक्रेन में नागरिक ठिकानों पर हमला करने के लिए रूस के पूर्व रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और उसके सैन्य प्रमुख जनरल वालेरी गेरासिमोव के खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह ऐसे समय में हुआ है जब हाल के दिनों में मॉस्को और कीव के बीच तीव्र लड़ाई हुई है जिसमें कई लोग मारे गए हैं।

एक एक आधिकारिक बयान मेंअदालत ने कहा कि ÷विश्वास करने के लिए उचित आधार है÷ कि दोनों अधिकारी नागरिक वस्तुओं पर हमलों का निर्देश देने और नागरिकों को अत्यधिक नुकसान पहुंचाने के युद्ध अपराध में शामिल हैं। वे कम से कम 10 अक्टूबर, 2022 से कम से कम 9 मार्च, 2023 तक यूक्रेनी विद्युत बुनियादी ढांचे के खिलाफ रूसी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की भी जिम्मेदारी लेते हैं।

रूस, यूक्रेन की तरह आईसीसी का सदस्य नहीं है। उसने बार-बार कहा है कि यूक्रेन का ऊर्जा बुनियादी ढांचा एक वैध सैन्य लक्ष्य है और नागरिकों या नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से इनकार करता है। हालाँकि, अदालत के पास गिरफ्तारी को लागू करने का कोई साधन नहीं है, और इसके पिछले कई फैसलों को अतीत में नजरअंदाज कर दिया गया है क्योंकि इसके पास अपनी कोई ताकत नहीं है।

ग्लेशियर पर बनी झील की दीवार टूटी, फ्रांस-स्विट्जरलैंड में दर्दनाक हादसा

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में खूब बारिश के बाद ग्लेशियर पर बनी झील की दीवार टूटी। यानी ग्लेशियल लेक टूटी। इसके बाद पानी, बड़े बर्फ के टुकड़े, पत्थर, मिट्टी और मलबा बहते हुए तेजी से ला बेराडें गांव में आया। यह फ्रांस का खूबसूरत स्की रिजॉर्ट है। जहां दुनिया भर से स्कीयर आते हैं। ला बेराडें से करीब 135 किलोमीटर दूर स्विट्जरलैंड के जरमैट में इसी तरह का मौसम बना। वहां भी मैटरविस्पा नदी में फ्लैश फ्लड आया। जिससे नदी के किनारे टूट गए। इसकी वजह से जरमैट कस्बे में बाढ़ आ गई। पूरे कस्बे में यातायात बंद हो गया। न ट्रेन चल रही है। न ही गाड़ियों के चलने लायक सड़क बची है। स्विट्जरलैंड में प्रशासन ने इस आपदा को चौथे स्तर की आपदा बताई है। रोन नदी और उसकी शाखाएं भी बाढ़ग्रस्त हैं। प्रशासन को आशंका है कि इसकी वजह से और जगहों पर भी बाढ़ आएगी। जहां से आपदा आई, वो एल्प्स के पहाड़ कम से कम 4000 मीटर ऊंचे हैं।

अच्छी बात ये है कि इस घटना में किसी के मौत की खबर नहीं आई है। हालांकि पूरा कस्बा बर्बाद हो गया है। घर टूट गए हैं। सड़कें लापता हो गई हैं। सैकड़ों लोगों यानी कस्बे के स्थानीय लोग और पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इमरजेंसी सर्विसेस ने हेलिकॉप्टर के जरिए वहां फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। ला बेराडें के ऊपर एल्प्स के पहाड़ हैं। जहां पर बॉनपियरे ग्लेशियर मौजूद है। यह ग्लेशियर 2600 मीटर यानी 8530 फीट ऊपर ग्लेशियल लेक टूटी। यह लेक 40 घंटे पहले ही बनी थी। वैज्ञानिक इसे सुप्राग्लेशियल लेक कह रहे हैं। यानी बारिश और बर्फ के पिघलने से तत्काल बनी झील। जिसकी दीवार टूटी तो ला बेराडें में आपदा आई। बता दें कि एकरिन नेशनल पार्क में आता है, जो एल्प्स की पहाड़ियों में बसा है। लगातार बारिश की वजह से 2600 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद बर्फ पिघली। ग्लेशियल लेक टूटी और इससे फ्लैश फ्लड आया। अचानक आई इस बाढ़ ने इटैनकॉन्स टोरेंट नाम के ब्रिज को तोड़ दिया। यह इकलौता ब्रिज था, जिसके जरिए ला बेराडें जाया जाता था।

पाकिस्तान में फैला कांगो वायरस, एक युवक की मौत, अलर्ट जारी, बुखार, पीठ दर्द, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश हैं लक्षण

इस्लामाबाद। दुनिया अभी महामारी यानी कोविड-19 को भूल भी नहीं पाई है कि अब भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान से एक और वायरस की खबर आ रही है। पाकिस्तान में कांगो वायरस कहर ढा रहा है। इसके मामले बढ़ रहे हैं इससे पाकिस्तान सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के कई शहरों में कांगो वायरस से संक्रमण की खबरें सामने आ रही हैं। कांगो वायरस का ताजा मामला पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त से सामने आया है। जहां 32 साल के एक युवक में कांगो वायरस पाया गया है। पाकिस्तान में कांगो वायरस का यह अब तक का 13वां मामला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांगो वायरस से संक्रमित एक शख्स की अब तक जान भी जा चुकी है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग ने कांगो वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। लोगों को बुखार, पीठ में दर्द, उल्टी, सिरदर्द, दस्त, मांसपेशियों में दर्द, गले मे खराश होने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी है। कांगो वायरस भेड़ बकरियों, खरगोश जैसे मवेशियों से फैलता है। इससे पहले, कांगो वायरस से पीड़ित एक युवक ने पेशावर में मौत हो चुकी है।

निज्जर की याद में मौन रखना... चरमपंथ और हिंसा को बढ़ावा देना

- कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने अपनी सरकार को दिखाया आईना

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के एक सांसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखने के फैसले की कड़ी आलोचना कर अपनी ही सरकार को घेरा है। नेपियन सीट से सांसद भारतीय मूल के चंद्र आर्य ने कहा कि जांच में खुलासा हुआ है कि निज्जर का संबंध चरमपंथियों से था, इसके बाद उसकी याद में संसद में मौन रखने के सरकार के फैसले पर निराशा जाहिर की।

रिपोर्ट्स के अनुसार, चंद्र आर्य ने कहा, जब संसद में किसी के सम्मान में मौन रखने का फैसला किया जाता है, तब यह बहुत ही खास होता है और कुछ महान कनाडाई लोगों के लिए ऐसा किया जाता है, लेकिन निज्जर उन लोगों में से नहीं हैं। उन्होंने निज्जर की हत्या को विदेशी सरकार से जोड़ने के विश्वसनीय आरोपों के बावजूद निज्जर को इतना सम्मान देने की आलोचना की।

उल्लेखनीय है कि बीती 18 जून को कनाडा की संसद में सभी सांसदों ने निज्जर के लिए मौन रखा। निज्जर की एक साल पहले ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने इस हत्या का आरोप भारत सरकार पर लगाया था। ट्रूडो के आरोपों को भारत ने बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। इसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। चंद्र आर्य उन सांसदों में शामिल हैं, जो भारत के साथ मिलकर काम करने की वकालत करते हैं। आर्य ने चिंता जताकर कहा कि जांच में पता चला है कि निज्जर ने फर्जी पासपोर्ट का उपयोग करके कनाडा में प्रवेश किया था, हिंसा को बढ़ावा दिया और खालिस्तान की वकालत करने वाले सिख आतंकवादियों से जुड़ा हुआ था। जांच में निज्जर की कनाडा की नो-फ्लाई सूची में मौजूदगी और पुलिस पूछताछ के कई उदाहरण भी सामने आए।

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे रिहा, जासूसी के लगे थे आरोप

लंदन (एजेंसी)। विकीलीक्स के संस्थापक 52 वर्षीय जूलियन असांजे पर अफगानिस्तान और इराक में युद्धों से संबंधित अमेरिकी सेना की खुफिया जानकारियों को लीक करने का आरोप है। उन्होंने क्लासीफाइड अमेरिकी दस्तावेजों को प्राप्त करने और उन्हें उजागर करने की साजिश रचने के आपराधिक मामले में अपनी गलती मानने पर हामी भर दी है। अब असांजे इस सप्ताह अमेरिकी जासूसी कानून का उल्लंघन करने के लिए अपराध स्वीकार करेंगे। इस डील के तहत ब्रिटेन में उनकी कैद खत्म हो गई है और उन्हें ऑस्ट्रेलिया लौटने की इजाजत भी मिल गई।

जूलियन असांजे को बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे साइपन द्वीप पर होने वाली सुनवाई में 62 महीने की सजा सुनाई जानी है। जूलियन पहले ही अपनी सजा काट चुके हैं। विकीलीक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि वह सोमवार को यूके की बेलमार्श जेल से बाहर आए और फिर यूके हाई कोर्ट ने उसे जमानत दे दी है। उसी दोपहर वह फ्लाइट में भी बैठ गए। विकीलीक्स द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में नीली शर्ट और जींस पहने असांजे को एक निजी जेट में सवार होने से पहले एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया है। असांजे को पहली बार 2010 में ब्रिटेन में एक यूरोपीय

गिरफ्तारी वारंट पर गिरफ्तार किया गया था, जब स्वीडिश अधिकारियों ने कहा था कि वे उनसे यौन-अपराध के आरोपों पर पूछताछ करना चाहते हैं। इन आरोपों को बाद में हटा दिया गया था। वह स्वीडन में प्रत्यर्पण से बचने के लिए इक्वाडोर के एम्बेसी में चले गए थे, जहां वह सात साल तक रहे। उन्हें 2019 में एम्बेसी से बाहर निकाला गया और जेल में डाल दिया गया। वह तब से लंदन की बेलमार्श जेल में है, जहां से वह लगभग पांच सालों से अमेरिका में प्रत्यर्पण के लिए लड़ रहे थे।

असांजे के खिलाफ आरोपों ने उनके कई समर्थकों में आक्रोश पैदा कर दिया था। उन्होंने तर्क दिया है कि विकीलीक्स के प्रकाशक के रूप में असांजे को उन आरोपों का सामना नहीं करना चाहिए जो आमतौर पर सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ लगाए जाते हैं, जो जानकारी चुराते या लीक करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के प्रवक्ता ने कहा, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने स्पष्ट कहा है कि असांजे का मामला बहुत लंबा खिंच गया है और उन्हें लगातार जेल में रखने से कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। 2010 में विकीलीक्स ने अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के युद्धों से संबंधित लाखों क्लासीफाइड अमेरिकी सैन्य दस्तावेज़ लीक कर दिए थे। अमेरिकी सैन्य इतिहास में यह इस तरह का सबसे बड़ा सुरक्षा उल्लंघन था। असांजे पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के दौरान विकीलीक्स द्वारा गुप्त अमेरिकी दस्तावेज़ों को बड़े पैमाने पर जारी करने के लिए अभियोग लगाया गया था। इन दस्तावेज़ों को चेल्सी मैनिंग ने लीक किया था। मैनिंग, एक पूर्व अमेरिकी सैन्य खुफिया विश्लेषक हैं जिन पर अमेरिका के जासूसी अधिनियम के तहत मुकदमा भी चलाया गया था। 7,00,000 से अधिक दस्तावेज़ों के इस संग्रह में डिप्लोमेटिक केबल और युद्ध के मैदान के विवरण शामिल थे। इनमें 2007 का एक वीडियो भी शामिल था जिसमें एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर इराक में संदिग्ध विद्रोहियों पर फायरिंग कर रहा था, जिसमें एक दर्जन लोग मारे गए थे।

भारत के इस कदम से बौखला उठेगा अमेरिका, यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार क्या करने जा रहे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस पूरी तैयारी में हैं क्योंकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जुलाई में रूस का दौरा करने की उम्मीद है। रूसी मीडिया ने मंगलवार को क्रेमलिन के एक सहयोगी के हवाले से कहा कि पिछले साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा उन्हें आमंत्रित किए जाने के बाद पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा कर सकते हैं। क्रेमलिन ने मार्च में कहा था कि मोदी को रूस आने का खुला निमंत्रण है और पुतिन के साथ बैठक होगी। विशेष रूप से, पुतिन ने पिछले साल मॉस्को में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने पीएम मोदी को 2024 में रूस आने का निमंत्रण दिया था। पुतिन ने जयशंकर से कहा कि अपने दोस्त, प्रधान मंत्री मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी।

अगर पीएम मोदी रूस जाते हैं तो वह और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन साल के अंतराल के बाद भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए तैयार हैं। भारत के प्रधान मंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है। यह पीएम मोदी की पांच साल में पहली रूस यात्रा भी होगी। रूसी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि हम सभी मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम होंगे, रूसी-भारत संबंधों के विकास के दृष्टिकोण के बारे में बात करेंगे। हमारे पास करने के लिए बहुत बड़ा काम है।

उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री से निमंत्रण के साथ पीएम मोदी को अपनी ÷शुभकामनाएं÷ देने के लिए कहा। जयशंकर ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधान मंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन इस साल वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मिलेंगे, यह देखते हुए कि दोनों नेता इस पूरे वर्ष लगातार संपर्क में रहे हैं।

संपादकीय

पुलों का ढहना

बिहार में एक ही सप्ताह में तीन पुलों का ढहना जितना चिंताजनक, उतना ही निंदनीय भी है। तीनों पुल अलग-अलग प्रकार के हैं। एक पुल नया बना था, तो दूसरा पुराना हो चुका था और तीसरा तो अभी बन ही रहा था। अररिया में नवनिर्मित पुल करीब 180 मीटर लंबा था और जाहिर है, उसके निर्माण में गंभीर लापरवाही हुई है, इसलिए यह 18 जून मंगलवार को धूल में मिल गया। यह गहरे अफसोस और शर्म की भी बात है कि इस पुल का उद्घाटन तक नहीं हुआ था। इसे मलबे में बदलने में कुछ सेकंड लगे, पर वास्तव में पुल को मलबा बनाने की साजिश महीनों से चल रही होगी? पुल बनाने वाले ठेकेदार अगर इस काम की विशेषज्ञता नहीं रखते थे, तब उन्हें काम क्यों दिया गया? इस बात की पूरी जांच होनी चाहिए। हो सकता है, ठेकेदार या निर्माण कंपनी की सीधे-सीधे गलती न हो, पर अगर गलती है, तो अक्षम्य है। कमजोर पुल किसी भी वक्त जानलेवा साबित हो सकता है, जो भी ठेकेदार-इंजीनियर और शासकीय अधिकारी कमजोर पुल बनाते या बनवाते हैं, उन पर जान लेने की साजिश का मुकदमा चलना चाहिए। शनिवार, 22 जून को सीवान जिले में जो पुल ढहा है, वह अपेक्षाकृत छोटा था और ढहते वक्त उसके नीचे बहुत तेजी से पानी बह रहा था। अगर आसपास के लोग समय पर न देखते, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। कहा जा रहा है कि यह पुल 30 साल पुराना हो चुका था। पूछा जा सकता है कि क्या समय-समय पर इसकी मरम्मत होती थी? क्या मरम्मत से पुल के जीवन को बढ़ाया जा सकता था? अगर पुल की मरम्मत मुमकिन नहीं थी, तो समय रहते उसके बगल में एक अन्य पुल का निर्माण हो जाना चाहिए था। आदर्श स्थिति तो यही है कि जो पुल पुराने पड़ चुके हैं, उनके समानांतर नए पुल का निर्माण समय रहते होना चाहिए। यह प्रशासन के लिए ही नहीं, स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के लिए भी शर्म की बात है कि पुल की स्थिति के प्रति उनकी सजगता उतनी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। लोगों की सजगता से ही पुल बनते और मजबूत होते हैं। जहां के लोग सजग नहीं होते, वहां पुलों को ढहने से कोई रोक नहीं सकता। खैर, तीसरा पुल रविवार को मोतिहारी में गिरा है, जो अभी निर्माणाधीन था। यह बहुत दुख की बात है कि बारिश के मौसम में पुल टूट रहे हैं। बिहार में तमाम नदियां, नाले तेज बहेंगे, मजबूत पुलों की हर जगह जरूरत पड़ेगी। अब जब सप्ताह भर में तीन पुल ढह चुके हैं, तो जाहिर है कि लोगों की चिंता बहुत बढ़ गई होगी। आखिर कौन है जिम्मेदार? केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बिहार के अररिया में जो पुल ढह गया, उसका निर्माण केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के तहत नहीं किया गया था। इसका काम बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत चल रहा था। सबके पास अपने-अपने बहाने हैं? हर कोई जिम्मेदारी से बचना चाहता है? हालांकि, मूलभूत ढांचा विकास के मोर्चे पर बिहार में सजगता का विस्तार होना चाहिए। कई जगह यह शिकायत आती है कि लोग ही पुलों को कमजोर करते हैं, तो कई जगह ठेकेदारों से रंगदारी मांगने की शिकायतें भी सामने आती हैं। हमें यह समझना होगा कि सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा और संरक्षण के कार्य में समाज की भी भागीदारी है। समाज अगर सजग रहे, तो गुणवत्ता वाले पुलों का निर्माण सुनिश्चित हो सकता है और ऐसा ही होना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

(लेखक- ललित गर्ग)

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की और से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है।

संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लायें। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र फ्रमोर्जोयकफ्र है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सके तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्त्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है।

विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

समावेशी हो कृत्रिम मेधा का नया रचनात्मक युग

आर्थिक विषमता दूर हो/ सुरेश सेठ

युग बदल गया। इंटरनैट की शक्ति 5जी और 6जी तक उड़ान भरने लगी। रोबोट्स की दुनिया तीसरी दुनिया के देशों में भी प्रवेश कर गई। जहां आबादी कम है और श्रमबल की आवश्यकता अधिक है, वहां तो रोबोट्स की यह नई दुनिया बहुत उपयोगी है। लेकिन दुनिया में भारत जैसे अत्यधिक आबादी वाले देशों को तो रोबोट्स के इस्तेमाल के बारे में कुछ नये पैमाने अपनाने पड़ेंगे। रोबोट हो या कृत्रिम मेधा, इनके प्रतिमान भारत जैसे देशों में सहयोगी हो सकते हैं, मशाल लेकर आगे-आगे चलने वाले नहीं। इसके अतिरिक्त कृत्रिम मेधा की इस तेजी से विकसित होती दुनिया में हम व्यक्ति की अभिव्यक्ति का हूबहू प्रतिरूप तो पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अब अनुभव बता रहा है कि कृत्रिम मेधा की इस दुनिया में संवेदना, उत्साह, भावुकता और रिश्तों के पुलों का भी तो अपना एक महत्व है। निस्संदेह, पुतले तो राष्ट्रीयता की बात नहीं कर सकते। कृत्रिम मेधा के प्रतिरूप कलात्मक मौलिकता की उड़ानें नहीं भर सकते। इस बात को पूरी दुनिया ने ही नहीं, तीसरी दुनिया के अग्रणी भारत जैसे देशों ने भी बड़ी शिद्दत के साथ महसूस किया है। अगर भारत को 2047 के आजादी के शतकीय उत्सव में एक विकसित राष्ट्र बनना है तो यह विकास समावेशी विकास होना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को पिछड़ता हुआ महसूस न करे और संतुलित प्रगति के पथ पर हर कदम साथ-साथ चले। समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना पड़ेगा। पिछड़े और अगड़ों की यह भावना खत्म हो और सभी एक ही धरातल पर उद्यम करते हुए जिएं। आज दुनिया में साम्राज्यवाद के खिलाफ अब तीसरी दुनिया और अफ्रीका के देश तेजी से आंखें खोल रहे हैं। भारत की अध्यक्षता में जी-20 के शिखर सम्मेलनों में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाया गया। आज भारत अफ्रीका के सभी देशों के आर्थिक और सामाजिक विकास, स्थिरता और सुरक्षा में योगदान दे रहा है। पिछले दशक में अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में भारत की आवाज बुलंद हुई है। इसका कारण यही है कि चाहे यह रूस और यूक्रेन का अंतहीन लगता हुआ हिंसक युद्ध हो या हमास और इसराइल का भयावह हिंसक तांडव, भारत ने हमेशा शांति और संवाद की पैरवी की है। उसका कहना गलत साबित नहीं हुआ क्योंकि जिस प्रकार दुनिया का व्यापार अस्त-व्यस्त हुआ। आपूर्ति चैनल गड़बड़ा गए और मानवता की बेचारगी सबके सामने स्पष्ट हो गई, वह यही कह रही थी कि भारत की आवाज सही थी और युद्धोन्माद में हथियार संपन्न व्यवसायी देशों द्वारा हथियार बेचने की ललक गलत है। जी-7 सम्मेलन से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक नई आवाज उठाई है। उन्होंने यह कहा है कि हम समाज के हर वर्ग के विकास को मुख्यधारा से जोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कृत्रिम मेधा के महत्व को नकारा नहीं और कहा कि इतने बड़े देश के लोकतांत्रिक चुनावों में अगर हम कुछ घंटों में ही निष्पक्ष और तटस्थ चुनाव परिणाम दे पाए तो यह कृत्रिम मेधा की शक्ति का ही परिणाम है। लेकिन गड़बड़ वहां हो जाती है जहां समर्थ और

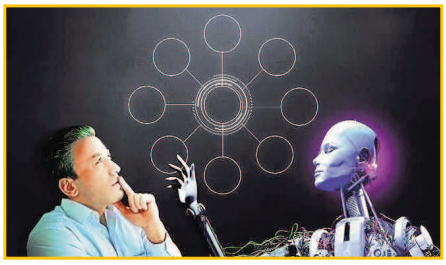

संपन्न अपनी वैज्ञानिक और अन्वेषक शक्ति के कारण कृत्रिम मेधा से लेकर रोबोटिक युग तक अपना एकाधिकार जमा लें। जहां तक कृत्रिम मेधा का संबंध है, उसके साथ डीपफेक की जो शक्ति विकसित हो गई है, जिसमें आप किसी भी युग, किसी भी व्यक्ति को न केवल हूबहू साकार कर सकते हैं, बल्कि उसके मुंह में अपना बयान डाल सकते हैं। इसलिए जिंदगी में सही क्या है और गलत क्या है, इसकी पहचान करना और भी कठिन हो गया है। इसका उत्तर यही है कि अगर कृत्रिम मेधा की यह शक्ति रचनात्मकता और मौलिकता का दामन नहीं छोड़े, मानवीय संवेदनाओं को कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से मौलिकता का एक नया रंग दे तो भारत में जय जवान, जय किसान और जय अनुसंधान का जो नारा आपने विकास के लिए दे रखा है, उसमें अनुसंधान को नई मंजिलें तय करते देर नहीं लगेगी। लेकिन याद रखा जाए कि ये मंजिलें निर्माणात्मक होनी चाहिए। मानवीय संवेदना और मानवीय आदर्शों का परिवर्धन करने वाली होनी चाहिए। भारत ने घोषणा की है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने वाले पहले कुछ देशों में से एक है और भारत का नया नारा है 'एआई फॉर ऑल' अर्थात कृत्रिम मेधा सबके लिए। इस कृत्रिम मेधा को पारदर्शी, निष्पक्ष, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बनाया जाए, इसके लिए सबको मिलजुल कर काम करना होगा। बेशक पर्यावरण प्रदूषण के क्षेत्र में 2070 तक भारत नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने का हरसंभव प्रयास करेगा और आने वाले समय को हरित युग बनाया जाएगा जहां एक समावेशी प्रयास में जुटे हुए सब देश होंगे और संपन्न देश भी अपनी स्वार्थपरता भूल कर तीसरी दुनिया के देशों के साथ हाथ से हाथ मिलाकर चलेंगे।

लेखक साहित्यकार हैं।

विचार मंथन

संसद में मोदी सरकार की अग्नि परीक्षा

(लेखक - सनत जैन)

अब बिना चर्चा पास नहीं होंगे संसद के कानून तीसरी बार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर पर कांटों का ताज है। नरेंद्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहे। 10 साल केंद्र में प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी की सत्ता का यह 24वां साल है। 23 साल तक मोदी का सत्ता में एकछत्र राज रहा है। 23 साल तक सदन में उनके पास पूर्ण बहुमत था। पहली बार वह अल्पमत की सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्ष इस समय जोश से भरा हुआ है। भले उसके पास स्पष्ट बहुमत ना हो। लेकिन उसमें इतनी ताकत है, कि वह सरकार से पूरी ताकत से मुकाबला कर सके। सदन के अंदर अब सत्ता पक्ष मनमानी नहीं कर सकेगा। बहुमत के आधार पर कानूनो को हो-हल्ले के बीच पास नहीं करा पाएंगे। कानून पास कराने के पहले सदन के अंदर चर्चा भी करानी होगी। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर भी दबाव होगा, सरकार द्वारा जो भी बिल सदन में पेश किए जा रहे हैं, वह नियम और कानून के तहत पेश हों। उन पर विधिवत चर्चा हो। चर्चा होने के बाद मतदान हो। उसी के बाद बिलों की स्वीकृति प्रदान की जाए। पिछले 10 वर्षों में कई कानून नियम विरुद्ध सदन में पेश किए गए। सदन से उन्हें अध्यक्ष ने पास भी करा दिया। मनी बिल के रूप में ऐसे बहुत सारे नियम और कानून बनाए गए। जो मनी बिल के रूप में सदन के अंदर स्वीकृत ही नहीं हो सकते थे। पिछले 10 साल में संसद सदस्यों के अधिकार भी सदन के अंदर कम हुए हैं। सरकार के मुकाबले सदन के अधिकार सरकार के पास चले गए। बहुत सारे कानून बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से पारित करा दिए गए। तीन अपराध कानून भी उसी श्रेणी में आते हैं। विपक्षी सांसदों को निष्कासित कर सदन में कुछ मिनटों के अंदर ध्वनि मत से कानूनों को पास करा दिया गया। इससे अध्यक्ष पद की साख भी पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। अब विपक्ष के पास सदन के अंदर ताकत है। अध्यक्ष भी सदन के अंदर विपक्ष की ताकत को अनदेखा नहीं कर सकता है। सदन के अंदर जो भी बिल पेश किए जाएंगे, वह नियम के अंतर्गत सरकार को अध्यक्ष की अनुमति से पेश करने होंगे। ऐसे बिलों पर संसद के अंदर बहस भी होगी। सभी सांसदों को बोलने का मौका मिलेगा। मोदी सरकार ने 10 साल में जो कानून पारित कराए हैं। उनको लेकर विपक्ष समय-समय पर अपनी नाराजी जताता रहा है। संसदीय परंपराओं का पालन नहीं किया गया। मजदूरों से संबंधित श्रम कानून, न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून, 3 अपराध कानून, दिल्ली सरकार के अधिकारों पर कटौती, चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून और मनी बिल के तहत जो कानून पास कराए जा रहे थे। संसद में विपक्ष की जो अनदेखी सरकार द्वारा की जा रही थी। अब उन सारे मामले में टकराव बनना तय है। संशोधन या अन्य माध्यमों से विपक्ष चर्चा करने की हर संभव कोशिश करेगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ेगा। 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र में विपक्ष पेपर लीक, अग्नि वीर, मणिपुर, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को तगड़ी चुनौती देता हुआ दिख रहा है। सरकार ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर भी विपक्ष के साथ सहमति बनाने का कोई प्रयास सरकार द्वारा नहीं किया गया। जिसके कारण स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए लोकसभा में चुनाव होगा। जिस तरह की स्थितियां लोकसभा में बनती दिख रही हैं, उसमें एक ज्योतिषी जो इन दिनों देश एवं दुनिया में बड़े चर्चित हैं, उनका नाम है- राजीव नारायण, जिन्होंने भविष्यवाणी की है। भाजपा के खिलाफ जन असंतोष बढ़ेगा। विपक्षी दलों का विरोध भी बढ़ेगा। भाजपा के अंदर ही बगावत होगी। भाजपा के लिए अपनी सत्ता बनाए रखना बड़ा मुश्किल होगा। उसी तरह की स्थिति सदन के अंदर बनती हुई दिख रही है। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सहयोगी दलों और भाजपा के ही वरिष्ठ नेताओं से जिस तरह की चुनौती मिल रही है, उससे मोदी के लिए सत्ता में बने रहना, दिन प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है।

उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन पटनायक के साथ जो विश्वासघात का खेला किया है, उसके कारण नवीन पटनायक भी अब उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। उड़ीसा का असर अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों पर भी पड़ रहा है। रही सही कसर अयोध्या और राम मंदिर पूरी कर रहे हैं। मुख्य सहयोगी दलों को सरकार में महत्वपूर्ण विभाग नहीं दिए गए। अध्यक्ष पद भी उन्हें नहीं दिया गया। जिसके कारण सहयोगी दलों से भी सरकार को चुनौती मिल रही है। अयोध्या के रेलवे स्टेशन की एक दीवार टूट गई। अयोध्या का मुख्य मार्ग अटल पथ ढह गया। राम मंदिर की छत से पानी रिसने लगा। गर्भ ग्रह में पानी भर गया। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहीं से भी अच्छे समाचार नहीं आ रहे हैं। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने अस्तित्व को बचाए रखने की लड़ाई लड़ना पड़ रही है। देखना यह है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे अपनी सत्ता को बचाए रखते हैं।

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

बड़े काम की है फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

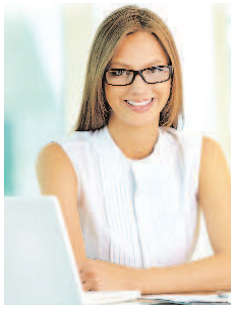

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।

स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं।

इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें। कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।

कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।

अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं। यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।

अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।

अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।

फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।

माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे। पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

इंटरव्यू के दौरान

कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।

बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक इनफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।

अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए कुछ क्षण चाहिए।

बहुत तेज या जोर से न बोलें। बोलते समय मुस्कराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कराहट का प्रभाव आपकी आवाज में दिखाई दे जाएगा।

शुरूआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।

इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।

इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

यूरोनिक्स की कारोबार को 400 करोड़ तक पहुंचाने की योजना

नई दिल्ली।

सार्वजनिक शौचालय स्वचालन कंपनी यूरोनिक्स 2025-26 तक अपना कारोबार दोगुना कर 400 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की योजना बना रही है। कंपनी का गुरुग्राम में नया विनिर्माण संयंत्र शुरू होने पर उसके 50 प्रतिशत ठेके पूरे करने की क्षमता रखता है। यूरोनिक्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विकनेश जैन ने कहा, '' पिछले वित्त वर्ष में हमारा कारोबार 200 करोड़ रुपये के आसपास था. इस साल हम 280 करोड़ रुपये से 290 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रहे हैं और वित्त वर्ष 2025-26 में हमारा लक्ष्य 400 करोड़ का कारोबार करना है। उन्होंने कहा कि 2002 में स्थापित यूरोनिक्स भारत के सार्वजनिक व वाणिज्यिक शौचालय क्षेत्र में प्रमुख कंपनी है। कंपनी के अनुसार, गुरुग्राम में उसका नया विनिर्माण संयंत्र शुरू होने पर उसके 50 प्रतिशत ठेका पूरे करेगा। यूरोनिक्स के वर्तमान में जामनगर, ग्रेटर नोएडा और भिवाड़ी में संयंत्र हैं।

मई में रत्न-आभूषण आयात 23.61 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार मई, 2024 में देश में रत्न-आभूषणों के आयात में 23.61 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है जबकि इस दौरान इसका निर्यात 6.14 फीसदी कम हो गया है। मई में रत्न-आभूषणों का समग्र आयात पिछले वर्ष के इसी माह के 1.53 अरब डालर (12625.59 करोड़ रुपए) की तुलना में 1.89 अरब डॉलर (15794.26 करोड़ रुपए) रहा। इसे घरेलू बाजार में मजबूत मांग का परिणाम माना जा रहा है क्योंकि देश आगामी त्यौहारी सीजन के लिए तैयार हो रहा है। मई 2024 में रत्न एवं आभूषणों का सकल निर्यात 2.48 अरब डालर (20713.370 करोड़ रुपए) से कुछ अधिक रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के करीब 2.65 अरब डॉलर (21795.65 करोड़ रुपए) की तुलना में 6.14 गिरावट दिखाता है। एक ज्वेलरी कारोबारी ने कहा कि रत्न एवं आभूषण उद्योग एक साल से अधिक समय से चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। पहले रूस और यूक्रेन के बीच और फिर इज़राइल और हमास के बीच भू-राजनीतिक तनाव के फैलने से निर्यात पर गहरा असर पड़ा है क्योंकि विदेशी बाजारों में मांग अस्थिर रही है। इसके अलावाइस साल 60 से ज्यादा देशों में चुनाव होने हैं, जो एक और महत्वपूर्ण घटना है, जिससे इन देशों में व्यापार में और बाधा आ सकती है। उन्होंने कहा कि इन वैश्विक घटनाओं पर कड़ी नजर रखने की ज़रूरत है क्योंकि ये आगे चलकर साल के बाकी समय में व्यापार गतिविधियों की दिशा तय करेगी।

रिमेडियम को ब्रिटेन से मिला 175 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली । रिमेडियम लाइफ केयर लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया` कि उसे ब्रिटेन की एस्टर बायोटेक लिमिटेड से 175 करोड रुपए का एक आर्डर मिला है। इसके बाद मंगलवार को रिमेडियम लाइफ केयर के शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की जा रही थी। रिमेडियम के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 179.60 रुपये जबकि 52 हफ्ते का निचला स्तर 66.25 रुपए है। एस्टर बायोटेक ब्रिटेन की फर्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है इससे रिमेडियम को ब्रिटेन के बाजार में कई फार्मा प्रोडक्ट सप्लाई करने का मौका मिलेगा। करीब 3 साल के लिए कंपनी को यह कॉन्ट्रेक्ट मिला है। इसमें एंक्टिव फार्मा इंग्रेडिएंट्स, इंटरमीडिएट और स्पेशलिटी केमिकल जैसे प्रोडक्ट की सप्लाई करनी है। रिमेडियम के ग्लोबल फार्मा सप्लाई चैन के लिहाज से यह बहुत महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले रिमेडियम लाइफ केयर के बोर्ड ने तीन अनुपात एक के अनुपात में बोनस शेयर की घोषणा की थी। यानी कि शेयरधारकों को एक मौजूदा शेयर के लिए तीन बोनस शेयर दिया जा रहा है।

आईआरसीटीसी छह महीने में कैटरिंग सेवा सुधारेः रेल मंत्री

नई दिल्ली ।

भारतीय रेल की ट्रेनों में कैटरिंग सर्विस संभालने के लिए सरकार ने एक अलग कंपनी बनाई है। इसका नाम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन है। इस कंपनी की सक्रियता के बावजूद रेलगाड़ी में खराब खाना परोसे जाने की आए दिन खबर आती रहती है। यहां तक कि वीवीआईपी ट्रेन वंदे भारत के भोजन में भी कॉकरोच निकल रहे हैं। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मामले पर खुद संज्ञान लिया है। रेलवे बोर्ड से जुड़े आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि रेल मंत्री ने हाल ही में ट्रेन में खानपान की क्वालिटी और उसके हाइजीन को लेकर आईआरसीटीसी से सवाल पूछा। वह कंपनी से मिले जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। उसके बाद मंत्री ने कहा कि ट्रेन के सभी पेंट्री कार में जहां खाना पकाया जाता है, जहां सामानों की स्टोरेज होती है और जहां भोजन की पैकिंग होती है, उसकी मिशन मोड पर डीप क्लीनिंग करें। यही नहीं आईआरसीटीसी ने जिन 1000 लोकेशंस पर अपना बेस किचन या सेंट्रल किचन बना रखा है, उसे भी अपग्रेड करें।

यह काम अगले छह महीने में हो जाना चाहिए। इन दिनों रेलवे कैटरिंग खास कर चलती ट्रेन में मिलने वाले भोजन की शिकायत खूब बढ़ गई है। अति वीवीआईपी ट्रेन वंदे भारत के खाने की शिकायत तो अक्सर सोशल मीडिया पर दिखती है। पिछले हफ्ते 18 जून को एक पैसेंजर भोपाल से आगरा तक वंदे भारत में सफर कर रहा था।

उन्हें जो भोजन परोसा गया, उसमें कॉकरोच मिला। उक्त पैसेंजर ने इसका फोटो भी सोशल मीडिया पर डाला था। इसके बाद आईआरसीटीसी ने उस वेंडर पर कुछ जुर्माना भी लगाया था।

वेतन आयोग बनाने और अमीरों पर टैक्स लगाने की मांग

नई दिल्ली । अमीरों पर वेल्थ टैक्स लगे, ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल हो, सैलरीड क्लास को इनकम टैक्स में ज्यादा छूट मिले, बेरोजगारी घटाने के उपाय हो, आठवां वेतन आयोग बने, कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को रेगुलर किया जाए, मनरेगा में मिनिमम वेज बढ़े और सरकारी विभागों में नए पद बनाने पर रोक हटे। ये कुछ प्रमुख सुझाव रहे, जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को मिले। सीतारमण ने सीतारमण हाल ही में प्री बजट मीटिंग में ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। बैठक में भारतीय मजदूर संघ, हिंद मजदूर सभा सहित 12 ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने हिस्सा लिया। हिंद मजदूर सभा के महासचिव हरभजन सिंह ने बताया कि 10 यूनियनों ने संयुक्त प्रस्ताव वित्त मंत्री को दिया। सुपर रिच 10 फीसदी लोगों पर 2 फीसदी वेल्थ टैक्स लगाया जाए। यह पैसा गरीबों, मजदूरों की सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स में लगे। ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल हो। सिंह ने कहा` कि लेबर फोर्फ्स के नाम पर कुछ भी करने से पहले इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस की मीटिंग कराई जाए, जो 2015 से नहीं हुई है। सरकारी विभागों में नए पदों के सृजन पर रोक भी खत्म हो और मनरेगा में मिनिमम वेज बढ़े।

एयरटेल इंडस टावर्स में और हिस्सेदारी बढ़ाएगा

नई दिल्ली । दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल टेलीकॉम टावर्स कंपनी इंडस टावर्स में अतिरिक्त 3 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए वोडाफोन पीएलसी के साथ चर्चा कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले हफ्ते वोडाफोन ग्रुप ने ब्लॉक डील में इंडस टावर्स में 18 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी करीब 15,300 करोड़ रुपये में बेची थी। इसके साथ ही वोडाफोन समूह के पास अब इंडस टावर्स में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी रह गई है। यदि एयरटेल प्रस्तावित अतिरिक्त 3 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने में सफल हो जाता है, तो टेलीकॉम दिग्गज 52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ इंडस टावर्स में बहुसंख्यक शेयरहोल्डर बन जाएगी। पिछले हफ्ते ही भारती एयरटेल ने इंडस टावर्स में अपनी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत बढ़ाई, जिससे कंपनी में इसकी कुल हिस्सेदारी लगभग 49 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल इंडस टावर्स को अपने डेटा सेंटर बिजनेस, नेक्स्ट्रा के साथ विलय करने की योजना बना रही है। इंडस टावर्स से प्राप्त नकदी का उपयोग नेक्स्ट्रा के विस्तार के लिए किया जाएगा। इस मर्जर का उद्देश्य एयरटेल के टेलीकॉम बिजनेस को ज्यादा एसेट-लाइट बनाने और कंपनी को ज्यादा वैल्यूएबल बनाना है। इसके साथ ही कालाइल को अपने निवेश से बाहर निकलने का अवसर भी प्रदान करना है।

शेयर बाजार पहली बार 78 हजार से ऊपर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार का रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिंग शेयरों में भारी खरीददारी से आया है। आज दोनो ही इंडेक्स रिकार्ड बनाकर अपने सर्वोच्च स्तर पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 712.44 अंक करीब 0.92 फीसदी ऊपर आकर 78,053.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 183.45 अंक तकरीबन 0.78 फीसदी उछलकर 23,721.30 अंक पर बंद हुआ। ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुबो, बजाज फिनसर्व, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस लाभ में रहे जबकि पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, नेस्ले, मारुति और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार बैंकिंग शेयरों से बाजार को बल मिला हालांकि रियल्टी, बिजली, धातु और जैसे सेक्टर में मुनाफावसूली से इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लगा। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और हांगकांग उच्च स्तर पर बंद हुए जबकि शंघाई निचले स्तर पर

बंद हुआ। यूरोपीय बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार ने तेजी के साथ शुरुआत की। बीएसई सेंसेक्स 180 अंक बढ़कर 77,518.89 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 50 46 अंक बढ़कर 23,584.25 के स्तर पर पहुंच गया। अल्ट्राटेक सीमेंट और एसबीआई बीएसई पर टॉप गेनर्स बने, जबकि एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल हुए। इसी प्रकार एनएसई पर` डिवीज लैब और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप गेनर्स रहे, जबकि एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक टॉप लूजर्स बने। व्यापक बाजार ऊंचे स्तर पर कारोबार करते दिखे और बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए। निफ्टी स्मॉलकैप 0.90 फीसदी चढ़ा जबकि मिडकैप 0.51 फीसदी बढ़कर कारोबार करता दिखा। सेक्टोरल स्तर पर, निफ्टी मीडिया ने 1 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ नेतृत्व किया, इसके बाद फार्मा 0.54 फीसदी ऊपर रहा।

ओएनडीसी यूजर चार्ड लगाना शुरू कर सकता

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार की ओर से विकसित ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) चालू वित्त वर्ष 2024-25 में यूजर चार्ड लगाना शुरू कर सकता है। हालांकि, शुल्क कितना लगेगा, इस लेकर अभी कुछ निर्णय नहीं लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह शुल्क कम होगा और प्रत्येक ट्रांजैक्शन पर लगाए जाने की संभावना है। शुल्क का भुगतान या विक्रेता, या खरीदार, या दोनों को करना पड़ सकता है। ओएनडीसी के प्रबंध निदेशक और सीईओ टी. कोशी ने बताया, हम नेटवर्क की ग्रोथ का मूल्यांकन करने और सही समय पर फैसला लिया जाएगा। इसका लक्ष्य छोटे, स्थानीय विक्रेताओं को शामिल करना भी है जो कभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नहीं रहे हैं। फिलहाल, ओएनडीसी का कोई रेवेन्यू मॉडल नहीं है। लेकिन इसके लागत कम हैं, क्योंकि यह सिर्फ एक नेटवर्क प्रोवाइडर है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की तरह, ओएनडीसी भी एक यूटिलिटी की तरह है। लेकिन हर सुविधा की एक लागत होती है, जैसे यूपीआई की भी है और किसी को उस लागत को उठाना पड़ता है। इसी वजह से ओएनडीसी यूजर चार्ड लगाने पर विचार करेगा ताकि लागतें पूरी हो सकें` और यह भी देखेगा कि बाजार इन शुल्कों के लिए कब तैयार हो सकता है। ओएनडीसी पहले से ही पूरे भारत में

ओपरेशनल है। साथ ही इसके डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी पूरा कर लिया गया है और इस व्यवसायों और आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है। इससे 5 लाख से अधिक विक्रेता जुड़ चुके हैं, इसमें से 70 प्रतिशत से अधिक छोटे या मध्यम विक्रेता हैं। इस साल मई में, ओएनडीसी ने लगभग 90 लाख लेनदेन की सुविधा प्रदान की, जो मई 2023 में 1.5 मिलियन से काफी अधिक है। पिछले महीने, ओएनडीसी के साथ जुड़ने में 125 स्टार्टअप ने दिलचस्पी दिखाई थी। इसमें` जीरोधा, इंजमाईट्रिप और कार्स24 जैसे तेजी से बढ़ रहे व्यवसाय तथा यूनिकॉर्न शामिल हैं।

केंद्र ने गेहूं पर भंडारण सीमा तय की

नई दिल्ली । केंद्र ने थोक और खुदरा विक्रेताओं के साथ प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं भंडार रखने की सीमा को तय कर दिया। इस पहल का मकसद जमाखोरी को रोकना और कीमतों को काबू में रखना है। गेहूं पर स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2025 तक वैध रहेगी। केंद्र ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के किसी भी प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया और कहा कि खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए जरूरत पड़ने पर खाद्यान्न पर आयात शुल्क में कमी सहित अन्य नीतिगत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वर्तमान में गेहूं पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क है। निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता है और बाजार में सट्टेबाजी और खाद्यान्न की जमाखोरी को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है। चोपड़ा ने कहा` कि मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं। हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें। पिछले हफ्ते केंद्र ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए तुअर और चना दालों पर स्टॉक सीमा लगा दी थी। चोपड़ा ने कहा कि स्टॉक सीमा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर लागू होगी। उन्हें हर शुक्रवार को एक पोर्टल पर गेहूं के स्टॉक की घोषणा करनी होगी। यदि उनके पास मौजूद स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है तो उन्हें इस अधिसूचना के जारी होने के 30 दिनों के भीतर इसे निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा।

रेडियो तरंगों के लिए 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू

नई दिल्ली ।

रेडियो तरंगों के लिए स्पेक्ट्रम की 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की नीलामी मंगलवार को शुरू हो गई। इसमें एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियां द्वारा बोली लगाने की उम्मीद है जिससे उनकी 5जी सेवाओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी। रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी है। आखिरी बार अगस्त 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गईं थीं। बयान के अनुसार मौजूदा दूरसंचार सेवाओं को बढ़ाने और सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए सरकार मंगलवार 25 जून 2024 को स्पेक्ट्रम नीलामी होगी। यह सभी नागरिकों को सस्ती, अत्याधुनिक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है। इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। गौरतलब है कि 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में उपलब्ध सभी स्पेक्ट्रम 10वीं नीलामी का हिस्सा हैं। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए

सबसे अधिक 3,000 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। दूरसंचार विभाग के मुताबिक भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआइएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया` लिमिटेड अपने स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क को कम करने के लिए विशेष रूप से 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

नोएडा एयरपोर्ट से अगले साल अप्रैल तक उड़ान सेवा शुरू होगी

नई दिल्ली ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अप्रैल, 2025 तक उड़ान सेवा शुरू कर सकता है। इससे पहले निर्माण में देरी के कारण सितंबर, 2024 की समय सीमा चूक गई थी। हाल ही में दिल्ली से लगभग 75 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर इलाके में बन रहे अत्याधुनिक हवाई अड्डे के निर्माण कार्यों में देरी की खबरें आई थीं। हवाई अड्डे के सितंबर, 2024 तक उड़ान संचालन शुरू करने की योजना थी। हवाई अड्डे से संबंधित एक अधिकारी ने कहा मौजूदा निर्माण स्थिति को देखते हुए अप्रैल, 2025 के अंत तक वाणिज्यिक संचालन शुरू करने की उम्मीद है। बयान में आगे कहा गया` कि हम अपने इंपीसी ठेकेदार टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि निर्माण गतिविधियों की गति और परिचालन की तैयारी को तेज रखा जा सके। नोएडा इंटरनेशनल

एयरपोर्ट से उड़ान संपर्क के लिए कई एयरलाइन कंपनियों के साथ समझौते किए गए हैं। निर्माण कार्य उन्नत चरणों में है। बयान के मुताबिक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर निर्माण और विकास कार्य अग्रिम चरण में है और हम परिचालन तत्परता की राह में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ी और जटिल परियोजना है, और निर्माण गतिविधियों के अगले कुछ सप्ताह महत्वपूर्ण हैं।

जेपी मोरगन बांड में शा मिल होंगे भारत के सरकारी बांड

नई दिल्ली ।

भारत के सरकारी बॉन्ड को 28 जून से जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया जा रहा है। इससे थाईलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे देशों की वेटेज अगले 10 महीनों में कम हो सकती है। इस तरह से इन देशों के बॉन्ड इस इंडेक्स में पहले जितना अहम नहीं रहेंगे। यह जानकारी बाजार विश्लेषकों ने हाल ही के एक नोट में दी। भारत को इस इंडेक्स में 10 फीसदी की हिस्सेदारी देने के लिए, बाकी देशों की हिस्सेदारी कम करनी पड़ेगी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि चिंता की बात नहीं है, क्योंकि भारत को धीरे-धीरे 10 महीने में शामिल किया जाएगा, तो बाकी देशों की हिस्सेदारी में भी धीरे-धीरे ही कमी होगी। इंडेक्स में बाकी उभरते बाजारों के लिए वेटेज में कमी का असर कम होगा, क्योंकि उनकी बाजार हिस्सेदारी पहले से ही बड़ी है। वहीं, थाईलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य की वेटेज में सबसे ज्यादा कमी आने की संभावना है। भारत के सरकारी बॉन्डों में विदेशी निवेशकों का अच्छा रुझान देखने को मिला है। 21 सितंबर, 2023 को इस इंडेक्स में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद से अब तक कुल 10.4 बिलियन का निवेश आया है। इसकी तुलना में, 2023 के पहले आठ महीनों में सरकारी बॉन्डों में केवल 2.4 बिलियन का ही निवेश आया था। गौरतलब है कि 2021 और 2022 में तो हर साल लगभग 1 बिलियन का विदेशी निवेश बाहर निकल रहा था।

लेनोवा टेब प्लस 8 जेबीएल स्पीकर्स से है लैस

-टैबलेट के जरिए म्यूजिक या पॉडकास्ट कर सकते हैं स्ट्रीम

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन सहित अन्य इलेक्ट्रानिक्स प्रोडक्ट का निर्माण करने वाली कंपनी लेनोवा द्वारा लेनोवा टेब प्लस को लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी का यह प्रोडक्ट कई खूबियों से लैस है। ये टैबलेट डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट वाले आठ जेबीएल स्पीकर और 11.5 इंच की 2के एलसीडी स्क्रीन से लैस है। इसे ब्लूटूथ स्पीकर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे यूजर्स टैबलेट के जरिए म्यूजिक या पॉडकास्ट स्ट्रीम कर सकते हैं। इस टैबलेट में मीडियाटेक हेलियो जी99 प्रोसेसर दिया गया है और ये एंड्रॉयड 14 आउट-ऑफ-द-बॉक्स चलाता है। इसमें 45वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 8,600 एमएएच की बैटरी है। कंपनी ने अभी तक साफ नहीं की है कि लेनोवो टैब प्लस भारत में लॉन्च होगा या नहीं। लेनोवा टेब प्लस फिलहाल चुनिंदा ग्लोबाल बाजारों में लगभग 25,000 रुपये या लगभग 24,200 रुपये की शुरुआती कीमत पर खरीदने के लिए उपलब्ध है। टैबलेट को सिंगल लूना ग्रे शेड और दो रैम और स्टोरेज कॉन्फिगरेशन - 8जीबी + 128जीबी और 8जीबी + 256जीबी में पेश किया गया है। लेनोवो टैब प्लस में 11.5 इंच की 2के (2,000 गुणा 1,200 पिक्सल) एलसीडी स्क्रीन है, जिसका रिफ्रेश रेट 90 एचझेड और ब्राइटनेस 400नीटस है। इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक ऑनबोर्ड स्टोरेज के साथ मीडियाटेक हीलियो जी99 प्रोसेसर दिया गया है। ये टैबलेट एंड्रॉयड 14 पर चलता है। कैमरे की बात करें तो लेनोवो टैब प्लस के रियर में ऑटोफोकस वाला 8 मेगापिक्सल सेंसर और फ्रंट में फिक्स्ड फोकस वाला 8 मेगापिक्सल सेंसर है। टैबलेट में डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट के साथ आठ जेबीएल स्पीकर हैं, जो इसे कई बार ब्लूटूथ स्पीकर के रूप में काम करने में मदद करते हैं। इस टैबलेट में कनेक्टिविटी के लिहाज से वायफाय 5, ब्लूटूथ 5.2 और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट का सपोर्ट मौजूद है। इस टैब में 3.5 एमएम ऑडियो जैक और माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट दिया गया है। यूजर्स टैबलेट के जरिए स्मार्टफोन जैसे दूसरे ब्लूटूथ डिवाइस से म्यूजिक स्ट्रीम कर सकते हैं। ये एक ऐप को भी सपोर्ट करता है जो बेहतर ऑडियो सेटिंग्स के साथ वॉल्यूम कंट्रोल की अनुमति देता है।

बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेविड वार्नर का सफर खत्म

किंग्सटाउन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वार्नर के उपलब्धियों और विवादों से भरे 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ निराशाजनक अंत हो गया। अफगानिस्तान की जीत के साथ पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सिर्फ दो अंक के साथ सुपर आठ ग्रुप एक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ चौंकाने वाली हार के अलावा भारत के खिलाफ भी शिकस्त झेलनी पड़ी।

जनवरी 2009 में टी20 मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 37 वर्षीय वार्नर ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को ग्रॉस आइलेट में भारत के खिलाफ खेला जिसमें ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक वार्नर को गॉर्ड ऑफ ऑनर नहीं मिल सका और ना ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अपने अंतिम मुकाबले में उन्होंने छह गेंद में छह रन बनाए और अर्शदीप सिंह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव को कैच दे बैठे। वह सिर झुकाए मैदान से बाहर चले गए, उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच था या नहीं।

वार्नर ने नवंबर 2023 में भारत में विश्व कप फाइनल जीत के रूप में अपना आखिरी एकदिवसीय मैच और इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेला। उन्होंने काफी पहले ही संकेत दे दिया था कि यह टी20 विश्व कप उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। वार्नर ने 110 मैच में 33.43 के औसत और 142.47 के स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च स्कोरर और दुनिया के सातवें सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में टी20 प्रारूप से संन्यास लिया। उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए।

उन्होंने 2011 से 2024 के बीच 112 टेस्ट में 44.59 की औसत से 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 8,786 रन बनाए जबकि 161 एकदिवसीय मुकाबलों में 22 शतक और 33 अर्धशतक की मदद से 45.30 की औसत से 6,932 रन जोड़े। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतक और 19,000 के करीब रन बनाए। उन्होंने स्वीकार किया था कि उनका नाम हमेशा के लिए 'सैंडपेपर गेट प्रकरण' से जुड़ा रहेगा जो 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान केपटाउन के न्यूलैंड्स में हुआ था।

न्यूलैंड्स टेस्ट में कैमरन बेनक्रॉफ्ट ने गेंद को खुरचने के लिए सैंडपेपर का इस्तेमाल किया था और प्रकरण में शामिल होने के लिए वार्नर पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ को भी यही सजा मिली थी। वार्नर को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ढांचे में किसी भी नेतृत्व की भूमिका निभाने से भी

आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सुपर आठ के मुकाबले से पहले नॉर्थ साउंड में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह अपरिहार्य होगा कि जब लोग 20 या 30 साल बाद मेरे बारे में बात करेंगे तो हमेशा सैंडपेपर प्रकरण की चर्चा होगी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मेरे लिए अगर वे वास्तव में क्रिकेट प्रेमी हैं और उन्हें क्रिकेट से प्यार है, (साथ ही) मेरे सबसे करीबी समर्थक हैं, तो वे हमेशा मुझे उस क्रिकेटर के रूप में देखेंगे - जिसने खेल को बदलने की कोशिश की।

अब खिलाड़ियों क लिए आचार संहिता बनाएगा पीसीबी

-बड़े टूर्नामेंट में परिवार को साथ ले जाने पर भी लगेगी रोक

कराची (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में पाकिस्तान टीम के बेहद खराब प्रदर्शन के बाद से ही पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बेहद दबाव में है। ऐसे में वह बड़े बदलाव करने की योजना बना रहा है जिससे की हालात बदले जा सकें। पीसीबी अब खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता भी बनाएगा जिससे खिलाड़ी अन्य बातों पर ध्यान न देते हुए खेल में ही लगे रहे। इसका कारण ये है कि अमेरिका में विश्वकप के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को लेकर जाने और अन्य प्रचार कार्यक्रमों में शामिल होने से पीसीबी की जमकर किरकिरी हुई है। इसके अलावा जिस प्रकार से तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने प्रशंसकों से झगड़ा किया था उसे भी पीसीबी ने गंभीरता से लिया है। टीम में गुटबाजी को भी पीसीबी ने गंभीरता से लिया है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने आरोप लगाये थे कि कप्तान बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाइन आफरीदी के गुटों में मतभेद हैं।

ये भी कहा जा रहा है कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी कुछ अधिकारियों से भी नाराज हैं। इन अधिकारियों को टीम में व्याप्त अनुशासनहीनता के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। ऐसे में कहा जा रहा है कि पीसीबी भविष्य में वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के कुछ अधिकारियों को बाहर कर देगा और खिलाड़ियों के लिए कुछ सख्त नीतियां भी लागू करेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार खिलाड़ियों को आईसीसी और अन्य प्रमुख प्रतियोगिताओं में अपने परिवारों को साथ ले जाने की अनुमति नहीं देने के बारे में फैसला भी पीसीबी कर सकता है। खिलाड़ी ना केवल अपनी पत्नियों और बच्चों को विश्व कप के लिए ले गए बल्कि उनके माता-पिता, भाई आदि भी टीम होटल में ठहरे जिससे अध्यक्ष नाराज हैं।

वहीं जब इस बारे में पूछताछ की गई कि खिलाड़ियों को अपने परिवार के सभी सदस्यों को दौरे पर ले जाने की अनुमति किसने दी तो पता चला कि इस फैसले के पीछे भी बोर्ड के ही कुछ वरिष्ठ अधिकारी थे। इससे नाराज पीसीबी प्रमुख ने अब वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के सभी अधिकारियों से प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा वह अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए काम की प्रगति से भी संतुष्ट नहीं है। कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने डलास में एक 'मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रति व्यक्ति 2500 डॉलर का शुल्क भी लिया। हैं।

रोहित शर्मा ने बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी की, बतौर कप्तान जीते सबसे ज्यादा मैच

सेंट लूसिया (एजेंसी)। ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया) = स्टार भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत के मामले में बाबर आजम के उल्लेखनीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा ने ड्रेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 24 रन की जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

फिलहाल रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप में 60 मैच खेलकर भारत को 48 जीत दिलाई हैं। इस बीच पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 85 मैचों में मेन इन ग्रीन का नेतृत्व किया और 48 जीत हासिल करने में सफल रहे। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा 20 ओवर के प्रारूप में अपनी टीम को 45 जीत दिलाने के बाद लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

मैच की बात करें तो सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से विजयी मिली। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92, सूर्यकुमार यादव ने 31, शिवम दुबे ने 28 और हार्दिक पांड्या ने 27 रन बनाकर स्कोर 205 तक पहुंचाया था। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 76 तो मिचेल मार्श ने 37 रन जरूर बनाए लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 181 रन ही बनाए और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया।

सेमीफाइनल में पहुंचकर जश्न में डूबा अफगानिस्तान, दुनिया ने बांधे टीम की तारीफों के पुल

काबुल (एजेंसी)। दिग्गजों को जमींदोज करके टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने पूरे देश को जश्न में सराबोर कर दिया और लोग सड़कों पर खुशियां बांटने निकल पड़े। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण के वर्षाबाधित मैच में अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उसने ऑस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज को भी बाहर कर दिया। इससे पहले ग्रुप चरण में उसने न्यूजीलैंड को हराया था।

नवीनुल हक ने जैसे ही मुस्ताफिजुर रहमान को पगबाधा आउट किया, खोस्त, पकतिया और काबुल में बड़ी तादाद में क्रिकेटप्रेमी जुटने लगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन

शहरों की तस्वीरें एक्स पर डाली है। इसके साथ कैप्शन दिया है, ' देखो कि सफलता के हमारे लिए क्या मायने हैं।'

एक और पोस्टर में हजारों प्रशंसकों को सड़कों पर, अपने घरों की बालकनी में और दुकानों की छतों पर जश्न मनाते देखा गया। कैप्शन में कहा गया, 'उन्हें पता है कि टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान के नायकों की जीत का जश्न कैसे मनाना है।'

चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, 'अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया। यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है। आपकी प्रगति पर गर्व है।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा, 'क्या शानदार मैच था। अफगानिस्तान टीम को बधाई।'

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, 'क्या शानदार जीत। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचना। इसे ही तरक्की कहते हैं। बधाई हो।'

युवराज सिंह ने लिखा, 'शानदार नजारा। जबर्दस्त जीत। रोमांचक मैच। जज्बातों का सैलाब। पठान पलटा बार सेमीफाइनल में। नवीनुल हक का मैच विनिंग प्रदर्शन। बेजोड़ क्रिकेट।'

एमएलसी में छह टीमें भाग लेंगी

मुम्बई ।अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एलएलसी) मुकाबले अगले माह चार जुलाई से शुरु होंगे। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। टी20 विश्वकप के अमेरिकी चरण में दर्शकों ने यहां खेल का पूरा आनंद लिया है। वहीं अब एलएलसी में भी उसे कई दिग्गज क्रिकेटर खेलते हुए दिखेंगे। टेक्सास और उत्तरी कैरोलिना में 5 से 28 जुलाई तक होने वाले मेजर लीग क्रिकेट 2024 में छह टीमें हिस्सा लेंगी। मेजर लीग क्रिकेट या एमएलसी एक टवेंटी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट है और इंडियन प्रीमियर लीग के समान एक अमेरिकी टूर्नामेंट है। एमएलसी का पहला संस्करण पिछले साल आयोजित किया गया था। एमआई न्यूयॉर्क की टीम मौजूदा चैंपियन है। टीम एमएलसी 2023 फाइनल में सिएटल ऑर्कास को हराकर पहले मेजर लीग क्रिकेट की विजेता बनी थी। एमएलसी 2024 सीज़न के ओपनर मैच पिछले साल के फाइनल मुकाबले के जैसा ही होगा, क्योंकि एमआई न्यूयॉर्क उत्तरी कैरोलिना के चर्च स्ट्रीट पार्क में एक बार फिर सिएटल ऑर्कास का सामना करेगी। इसके बाद उसी दिन, टेक्सास सुपर किंग्स टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में एलए नाइट राइडर्स की मेज़बानी करेगी। इस टूर्नामेंट में छह टीमें राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट में 21 मैच खेलेंगी। पहले 15 मैच दो स्थानों - चर्च स्ट्रीट पार्क और ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में होंगे।

विंबलडन में नजर नहीं आयेंगे मरे, पेरिस ओलंपिक में भी खेलना संदिग्ध

लंदन । ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे इस बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे की पीठ की सर्जरी हुई है। वहीं विंबलडन अगले माह शुरु हो रहा है। विंबलडन के अलावा उनका ओलंपिक में खेलना भी संदिग्ध है। एटीपी ने कहा कि दो बार के विंबलडन चैंपियन मरे को स्पाइनल सिस्ट को हटाने के लिए सर्जरी करवाने के बाद आगामी विंबलडन से बाहर कर दिया गया है। एटीपी ने अपने संदेश में कहा कि अभी वह आराम करें और फिट हो जाएं हालांकि उनकी कमी खेलेगी। वहीं इससे पहले, उन्होंने बुधवार को जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच के पहले सेट में 4-1 से पिछड़ने के दौरान इसी चोट के कारण क्वींस क्लब चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया था।

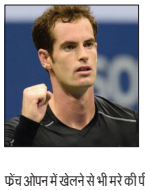

फेंच ओपन में खेलने से भी मरे की पीठ का दर्द बढ़ा था। वह पहले भी अपने करियर में चोटों से परेशान रहे हैं। साल 2019 में उन्होंने हिप सर्जरी कराकर वापसी की थी। उन्हें प्रमुख आयोजनों के नॉकआउट चरणों से आगे बढ़ना मुश्किल लगता है और हाल ही में उन्हें मार्च में मियामी ओपन में भी घुटने में दर्द की परेशानी हुई थी।

आगामी घरेलू सत्र से वापसी कर सकते हैं शार्दुल

लंदन। भारतीय टीम के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर अभी अगले तीन से चार माह तक खेल से दूर रहेंगे। शार्दुल के पैर की हाल ही में सर्जरी हुई है। ऐसे में वह आगामी घरेलू सत्र से पहले या ठीक उसी समय वापसी कर सकते हैं। शार्दुल को इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान चोट फिर से उभर आई थी। हालांकि इसके बाद भी वह रणजी ट्रॉफी में खेले थे पर इसके बाद उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से ब्रेक का अनुरोध किया था। शार्दुल बीसीसीआई के ग्रेड सी के वार्षिक अनुबंध धारक हैं इसलिए उनके इलाज का खर्च बोर्ड द्वारा उठाया गया। जहां तक उनकी वापसी का सवाल है तो इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है पर मामले माना जा रहा है कि वह सितंबर के बाद ही अभ्यास के लिए लौट पायेंगे।

पांच साल पहले 2019 में भी उनके पैर की सर्जरी हुई थी पर इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान यह चोट फिर से उभर आई थी। हालांकि वह पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी करने में सफल रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों के उबरने और तैयारी के लिए पर्याप्त समय के लिए बीसीसीआई से मैचों के बीच लंबे ब्रेक का अनुरोध किया था। आईपीएल में इस बार वह हालांकि असफल रहे थे। चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नौ मैच में 9.75 की इकोनॉमी रेट से केवल पांच विकेट लिए।

मेरे विकेटों का काफी श्रेय बुमराह को जाता है, कुलदीप चैम्पियन स्पिनर : अर्शदीप

जॉर्जटाउन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की सटीक गेंदबाजी से बाकी भारतीय गेंदबाजों को बेहद दबाव के हालात में भी विकेट लेने का मौका मिल जाता है। अर्शदीप अब तक टी20 विश्व कप में 11.86 की औसत और 7.41 की इकॉनॉमी रेट से 15 विकेट ले चुके हैं। दूसरी ओर बुमराह ने 11 विकेट लिए हैं लेकिन उनका इकॉनॉमी रेट 4.08 ही रहा है।

अर्शदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि काफी श्रेय जसप्रीत को जाता है क्योंकि वह बल्लेबाजों पर काफी दबाव बनाते हैं। वह तीन या चार रन ही एक ओवर में देते हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसे में मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है और विकेट लेने के कई मौके मिल जाते हैं। वे मेरे खिलाफ अधिक जोखिम लेने लगते हैं और फिर विकेट मिलने के मौके बन जाते हैं। इसलिए इसका ज्यादा श्रेय जसप्रीत को जाता है।'

स्पिनर कुलदीप यादव तीन मैचों में सात विकेट ले चुके हैं। उनके बारे में अर्शदीप ने कहा, 'कुलदीप चैम्पियन स्पिनर है। उसे जब भी मौका मिलता है, वह विकेट लेता है। वह टीम का अहम खिलाड़ी है और उम्मीद है कि वह आगे और भी विकेट लेगा।' इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बारे में उन्होंने कहा, 'इस समय मैं कुछ अपेक्षा नहीं कर रहा हूं। हालात देखकर समझेंगे कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।'

भारत को तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा, दीपिका और तरूणदीप चौथी बार खेलेंगे

नई दिल्ली ।पिछले 12 साल में पहली बार भारत ओलंपिक में पूरा छह सदस्यीय दल भेजेगा जो पेरिस ओलंपिक में सभी पांच वर्गों में भाग ले सकेगा। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। पिछली बार भारत ने लंदन ओलंपिक 2012 में छह सदस्यीय तीरंदाजी टीम भेजी थी जिसने चार वर्गों में भाग लिया। मिश्रित टीम स्पर्धायें तोक्यो ओलंपिक से ही शुरू हुई है। भारत ने तीरंदाजी में कभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा। भारतीय टीम- पुरुष- तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव। महिला- दीपिका कुमारी, भजन कौरऔर अंकिता भकत। कोच - बाएक वूंगकी, पूर्णिमा महतो और सोनम शेरिंग भूटिया।

सिर्फ ब्रायन लारा थे जिन्हें हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था : राशिद खान

किंग्सटाउन (एजेंसी)। दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखाएंगे। और ऐसा ही हुआ। काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को आखिरी ग्रुप मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। लारा ने मई में एक सवाल के जवाब में कहा था, 'वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। चौथे स्थान के लिए मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है। मैंने ग्रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है।%

राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा, 'हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है। हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था।% बांग्लादेश के खिलाफ मोचें से अगुवाई करके चार विकेट लेने वाले राशिद ने कहा, 'सिर्फ एक ही व्यक्ति है जिसने कहा था कि हम सेमीफाइनल तक पहुंच सकते हैं और वह ब्रायन लारा हैं। हमने उन्हें सही साबित कर दिखाया। जब हम स्वागत पार्टी में उनसे मिले तो मैंने उनसे कहा था कि हम आपके भरोसे पर खरे उतरेंगे।'

सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। तेज गेंदबाज नवीनुल हक और फजलहक फारूकी ने पूरे टूर्नामेंट में नयी गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। लारा ने कहा, 'टी20 क्रिकेट में अच्छी शुरूआत से बीच के ओवरों में मदद मिलती है। पूरे टूर्नामेंट में इन दोनों ने शानदार शुरूआत दी जिससे हमारी राह आसान हो गई।'

बारिश के कारण खेल कई बार रोका गया। राशिद ने कहा कि वे दस विकेट लेने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'बारिश हमारे हाथ में नहीं है लेकिन हमें पता था कि पूरे 20 ओवर खेलकर दस विकेट लेने हैं। इसी तरीके से हम जीत सकते थे। गुलबदिन को ऐंटन हो गई थी लेकिन उसका विकेट हमारे लिये अहम था।' कप्तान ने कहा कि अफगानिस्तान में जश्न का माहौल होगा। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए भी बड़ी उपलब्धि है। हमने अंडर 19 स्तर पर यह किया है लेकिन इस स्तर पर नहीं। मैं बयां नहीं कर सकता कि देश में क्या माहौल होगा। हमें हर हालत में सेमीफाइनल में पहुंचना था ताकि देशवासियों को यह खुशी दे सकें।'

पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे घुड़सवार अनुष

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के पदक विजेता घुड़सवार अनुष अग्रवाल पेरिस ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुष ने बेहतर औसत के कारण करीबी मुकाबले में श्रुति वोरा को पछाड़ा। भारतीय घुडसवारी महासंघ (ईएफआई) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में टीम ड्रेसेज स्पर्धा का स्वर्ण और व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा का कांस्य पदक जीतने वाले अनुष को श्रुति पर तरजीह दी गई। दोनों खिलाड़ियों के हाल के प्रदर्शन के विश्लेषण के बाद अनुष को चुना गया।

ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में पहली बार कोई भारतीय घुड़सवार हिस्सा लेगा। इससे पहले भारत के घुड़सवारों ने इवेंटिंग स्पर्धा में ही हिस्सा लिया है। अनुष (अपने घोड़े सर कैरामेलो ओल्ड के साथ) ने पिछले साल शुरू हुए क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई और न्यूनतम पात्रता आवश्यकता (एमईआर) को चार बार पूरा किया जबकि अनुभवी श्रुति ने इस महीने दो बार एमईआर हासिल किया। उनका औसत स्कोर 67.695 प्रतिशत था जो श्रुति के 67.163 प्रतिशत से बेहतर था। ईएफआई द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार पेरिस खेलों में पात्र होने के लिए राइडर और घोड़े के संयोजन को एक जनवरी 2023 और 24 जून 2024 के बीच दो बार न्यूनतम 67 प्रतिशत हासिल करना आवश्यक है। ईएफआई चयन मानदंडों के अनुसार यदि एक से अधिक खिलाड़ी पात्र हैं तो पिछले एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ चार स्पर्धाओं में से ग्रां प्री में उच्चतम औसत वाले खिलाड़ी को भाग लेने के लिए चुना जाएगा। ईएफआई की कार्यकारी परिषद ने अनुष को सर्वसम्मति से चुना। फवाद मिर्जा ने 2020 तोक्यो खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इससे पहले इम्तियाज अनीस ने 2000 सिडनी खेलों में शिरकत की थी जबकि इंद्रजीत लांबा ने 1996 अटलांटा खेलों में हिस्सा लिया था। जितेंद्रजीत सिंह अहलुवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दारया सिंह 1980 मास्को खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

यूएफा अब खिलाड़ियों की सुरक्षा और बढ़ाएगा

फैंकफर्ट ।यूरोपीय फुटबॉल संघ (यूईफा) अब खिलाड़ियों की सुरक्षा और सख्त करने जा रहा है। फुटबॉल संघ का कहना है कि यूरोपीय चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों तक प्रशंसकों की पहुंच रोकने के लिए मैदान के बाहर सुरक्षा बढ़ायी जायेगी। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ प्रशंसकों के सेल्फी लेने के प्रयास को देखते हुए अब यूएफा अब कोई खतरा नहीं उठाना चाहता और वह पूरी तरह सतर्क हो गया है। उसका कहना है कि तकरीबन छह प्रशंसकों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने के प्रयास किये थे। ऐसे में सभी स्टेडियमों में सुरक्षा बढ़ा दी जाएगी। यूईफा ने कहा, ''मैदान पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण ऐसा करने वाले को स्टेडियम से बाहर कर दिया जायेगा, टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जायेगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत भी दर्ज की जायेगी। '' पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गये थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की हालांकि वे सिर्फ सेल्फी लेना चाहते थे पर टूर्नामेंट सुरक्षा योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को किसी भी नुकसान से बचाना भी शामिल है। यूएफा खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहती है।

सूरत शहरी क्षेत्र का विद्यालय प्रवेश उत्सव-बालिका शिक्षा उत्सव 26 से 28 जून तक आयोजित किया जाएगा

गृह राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी तीन दिनों के दौरान सूरत शहर के स्कूलों में छात्रों को प्रवेश देंगे

सूरत। राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा अमिघुनताडो का अर्थ है स्कूल प्रवेश उत्सव। विद्यालय प्रवेश उत्सव उन बच्चों के लिए एक विशेष अवसर है जो शिक्षा की ओर अपना पहला कदम बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2024-25 में विद्यालय में प्रवेश करने वाली बालिकाओं का सम्मान एवं सम्मान के साथ स्वागत एवं प्रोत्साहन हेतु 26, 27 एवं 28 जून को ''कन्या केलावणी महोत्सव एवं शाला प्रवेशोत्सोव" आयोजित किया जायेगा। सूरत महानगरपालिका द्वारा संचालित शहर प्राथमिक शिक्षा समिति के स्कूलों में गृह मंत्री हर्षभाई संघवी सहित मनपा की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, सहकारी समितियां और अन्य उच्च अधिकारी बच्चों को बालवाटिका, आंगनवाड़ी, कक्षा 1, 9, 11 में प्रवेश देंगे। 26 तारीख को गृह राज्य मंत्री सुबह 8 बजे पुलिस मुख्यालय, अठवालाइन्स स्थित विष्णुप्रसाद त्रिवेदी प्राइवेट स्कूल में, सुबह 10 बजे महाराजा अग्रसेन प्राइवेट स्कूल नंबर 160 और स्कूल नंबर 337 अग्रसेन भवन के सामने, सीटी लाइट रोड पर और दोपहर 12 बजे छात्रों को धोड्डोद रोड स्थित सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा।

27 तारीख को सुबह 8 बजे महर्षि आस्तिक प्राइवेट स्कूल नंबर 296 और 299 पुलिस चौक के सामने, गोडादरा में सुबह 8 बजे पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्राइवेट स्कूल नंबर 342 और मेजर प्रकाश सोसाइटी, गोडादरा में सुबह 10:00 बजे ध्यानचंद स्कूल नंबर 351 और दोपहर 12.00 बजे गोडादरा के आसपास महर्षि आस्तिक सर्वा गार्डन के बगल में। छात्रों को हाई स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा।

28 तारीख को गृह राज्य मंत्री सुबह 8 बजे वराछा के मातावाडी मोहनी चाल स्थित कविश्री प्रेमानंद प्राइवेट स्कूल और श्री बी.के.ठाकोर प्राइवेट स्कूल में। सुबह 10 बजे, डॉ. विक्रम साराभाई और राजेंद्र शाह स्कूल, विशालनगर, श्रेयस विद्यालय के बगल में, वराछा एके रोड, दोपहर 12 बजे वराछा में श्री के.सी. और बच्चों को उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश दिलाएंगे। उनके साथ नगर शिक्षा समिति के सदस्य और पार्षद मौजूद रहेंगे।

मधुमेह के रोगियों में न्यूरोपैथिक दर्द की संभावना अधिक

जिन लोगों में मधुमेह की बीमारी है, और वह अनियंत्रित रहती है, उनमें न्यूरोपैथिक दर्द होने की काफी संभावना रहती है। असल में, मधुमेह रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे वे संकीर्ण हो जाती हैं और नसों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की डिलीवरी धीमी हो जाती है। अच्छे रक्त प्रवाह की कमी व्यक्ति की नसों को नुकसान पहुंचा सकती है, जो न्यूरोपैथिक दर्द का कारण बनता है। रक्त में शर्करा का लगातार उच्च स्तर होने से, शरीर के नस कोशिकाओं में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे वे ठीक से काम नहीं कर पाते हैं। इससे नसों के खराब होने की संभावना अधिक हो जाती है और वे खुद को ठीक करने में कम सक्षम हो जाती हैं।

मधुमेह से पीड़ित लोगों में कुछ विटामिनों जैसे विटामिन बी की कमी भी हो सकती है जो नसों को स्वस्थ रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनकी पर्याप्त मात्रा नहीं होने से न्यूरोपैथी के लक्षण बदतर हो सकते हैं। कई बार मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति में मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द होने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक उच्च रक्त शर्करा रहने से नसों को नुकसान पहुंचता है। यह नुकसान सबसे अधिक पेरिफेरल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है, जो मस्तिष्क एवं रीढ़ के बाहर होता है। पेरिफेरल नर्वस सिस्टम व्यक्ति के बाहों, पैरों, और शरीर के दूसरे हिस्सों को महसूस करने और चलने में मदद करता है।

मधमेह न्यूरोपैथी में रक्त में पाया जाने वाला ट्राइग्लिसराइड्स का उच्च स्तर नसों के नुकसान का कारण बन सकता है। मधुमेह संबंधी न्यूरोपैथी के लक्षणों में झुनझुनी, ऐंठन, जलन, दर्द कमजोरी है, जो प्रायः हाथ और पैरों से शुरू होते हैं और बाहों में फैलते हैं। अगर मधुमेह से प्रभावित व्यक्ति के पैरों में कोई घाव है, और वह ठीक नहीं हो रहा है, हाथ, पैर में कमजोरी, झुनझुनी, दर्द और कमजोरी का अहसास हो, पाचन एवं अन्य दूसरी शारीरिक क्रियाओं में बदलाव नजर आये तो ऐसी स्थिति में जल्दी ही डॉक्टर से मिलकर सलाह लेने की आवश्यकता है।

श्रीवा न्यूरो केयर के डॉ. नीरव सुतारिया के सलाह के अनुसार मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द के निदान के लिये यदि मधुमेह को नियंत्रित किया जाए तो दर्द को कम किया जा सकता है। मधुमेह पर नियंत्रण से नसों के नुकसान को रोकने में मदद मिल सकती है, और न्यूरोपैथिक दर्द का प्रभावी उपचार किया जा सकता है। किसी भी दर्द की स्थिति में डॉक्टर से मिलकर सलाह लें।

रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल में 13वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

सूरत । रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल में तायक्कोंडो एसोसिएट। गुजरात ने 13वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में पूरे गुजरात से कैडेट, जूनियर और सीनियर स्तर के लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पदक तालिका में सूरत के विद्यार्थियों का दबदबा रहा। जिनमें से द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, उगत-कैनाल रोड, जहांगीराबाद के सीबीएसई बोर्ड की कक्षा-8 में पढ़ने वाली अराित्रका सिंह काश्य पदक और गुजरात बोर्ड इंग्लिश मीडियम की कक्षा-9 में पढ़ने वाली यशवी कावा सुवर्णा पदक और जिया कावा का नाम है स्वर्ण पदक पाकर विद्यालय का नाम रोशन हुआ।

इस उपलब्धि का सारा श्रेय स्कूल ट्रस्टी गण, कैंपस डायरेक्टर, प्रिंसिपल, स्कूल स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर और स्कूल ताइक्कांडो कोच भूपेन्द्र चौहान को जाता है; जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी और उन्हें इसी प्रकार आगे भी आगे बढ़ते रहने तथा विद्यालय का नाम रोशन करते रहने की कामना की। ताइक्कांडो एसोसिएशन के महासचिव पामीर शाह के अनुसार, ताइक्कांडो सूरत में बहुत लोकप्रिय है और सूरत के कई प्रतियोगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

भारत में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर एलजी का नया मूडअप रेफ्रिजरेटर लॉन्च किया गया

सुरत भुमि, सूरत। सूरतवासियों के लिए अच्छी खबर, भारत में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर एलजी का नया मूडअप रेफ्रिजरेटर जो ग्राहक के मूड के अनुसार रंग बदलता है, मिसरी इलेक्ट्रॉनिक्स में लॉन्च किया गया/जैसा कि हम सूरत में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और मिसरी इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा भारत में एलजी की 27वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, सूरत के लोगों को यह बताते हुए बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने च्मूडअपफ रेफ्रिजरेटर लॉन्च किया है, पहले मुंबई में और आज मिसरी इलेक्ट्रॉनिक्स सूरत में।.

इस रेफ्रिजरेटर के फीचर्स पर नजर डालें तो इसमें 174724 कलर हैं। इस एलजी थिंकक्यू के साथ आप अपने मूड, इंटीरियर और पसंद के अनुसार अपने रेफ्रिजरेटर का रंग बदल सकते हैं, संगीत संग्रह - भोजन करते समय अपने पसंदीदा संगीत का आनंद लें। वेलकम

लाइट - जब आप रेफ्रिजरेटर के पास पहुंचते हैं तो वेलकम लाइट से आपका स्वागत करता है, गाइड लाइट - स्वचालित रूप से अंधेरे में हलचल का पता लगाता है और गाइड लाइट और कई अन्य रोमांचक सुविधाओं के साथ आपका मार्गदर्शन करता है। अधिक जानकारी के लिए सेल्स कॉर्नर पर जाएं, भारत की अग्रणी उपभोक्ता टिकाऊ कंपनी एलजी हमेशा अपने ग्राहकों को उनके जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अनूठी नवीन प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कुछ नया प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्पाद को सूरत में एलजी के क्षेत्रीय प्रमुख, गुजरात श्री निखिल सुतारिया, शाखा प्रमुख श्री जिगर देसाई और मिसरी इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक श्री हरि वडोलिया और श्री मयूर वडोलिया द्वारा लॉन्च किया गया। उत्पाद को पिछले महीने मुंबई में स्नष्ठष्ठ के साथ लॉन्च किया गया था। इस प्रोडक्ट लॉन्च के दौरान गौरी और नैनिका ने लैक्मे फैशन वीक के मंच पर एक खास प्रेजेंटेशन दिया. इस उत्पाद का लॉन्च भारतीय बाजार में एक नई दिशा स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण है जहां इसे उपभोक्ताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इस साझेदारी के सफल लॉन्च के बाद, एलजी के ओब्जेक्ट संग्रह के भविष्य और नवीनतम प्रौद्योगिकी अपडेट के लिए प्रत्याशा बढ़ गई है।

ओला ने अपने एस1 स्कूटर पोर्टफोलियो पर 15,000 रुपये तक के फायदों के साथ 'इलेक्ट्रिक

बैंगलुरू । ओला इलेक्ट्रिक अपने 'ओला इलेक्ट्रिक रश' अभियान के अंतर्गत अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 15,000 रुपये तक के आकर्षक ऑफर प्रदान कर रहा है। 28 जून तक लागू इन ऑफरों में एस1 एक्स+ पर 5,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 2,500 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा ग्राहकों को 10,000 रुपये तक के अतिरिक्त फायदे प्रदान किए जा रहे हैं, जिनके अंतर्गत एस1 एक्स+ पर 5,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस और एस1 के संपूर्ण पोर्टफोलियो पर चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई के साथ 5,000 रुपये तक का कैशबैक शामिल है।

ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में कंपनी ने मास-मार्केट सेगमेंट में अपना एस1 एक्स पोर्टफोलियो उतारा है। तीन बैटरी कॉन्फिगुरेशन (2 किलोवॉटघंटा, 3 किलोवॉटघंटा, और 4 किलोवॉटघंटा) के साथ इन स्कूटरों का मूल्य क्रमशः 74,999 रुपये; 84,999 रुपये और 99,999 रुपये है। साथ ही इसके प्रीमियम स्कूटरों में एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स+ का मूल्य क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 89,999 रुपये है।

ओला इलेक्ट्रिक अपने उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के 8 साल/80,000 किलोमीटर की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी प्रदान करता है। ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि इस कदम से इलेक्ट्रिक वाहनों की उम्र बढ़ेगी, और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में आने वाली एक बड़ी बाधा का समाधान हो सकेगा। ग्राहक एड-ऑन वॉरंटी लेकर 1,00,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 4,999 रुपये देकर और 1,25,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 12,999 रुपये देकर वॉरंटी के अंतर्गत ला सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने 3 किलोवॉट की एक पोर्टेबल फास्ट चार्जर एक्सेसरी भी पेश की है, जो 29,999 रुपये में खरीदी जा सकती है।

OPPO ने 17,999 रुपये में A3 Proपेश किया, जो ड्यूरेबिलिटी और क्वालिटी के नए मानक स्थापित कर रहा है

नेशनल। OPPO इंडिया ने OPPO A3 Pro के लॉन्च की घोषणा की है, जो प्रीमियम डिज़ाईन के साथ ऑल-राउंड एंड्योरेंस के लिए तैयार किया गया है। इस नए ए-सीरीज़ स्मार्टफोन में ड्रॉप एवं इंपैक्ट रजिस्टैंस के लिए डैमेजफ्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी, पानी एवं धूल के रजिस्टैंस के लिए आईपी54 सर्टिफिकेशन, और गीले हाथों से उपयोग के लिए स्प्लैश टच टेक्नोलॉजी है। इसमें 120हर्ट्ज़ अल्ट्रा ब्राईट डिस्प्ले, एआई लिंकबूस्ट, एआई हेल्जर, और 5100 एमएएच की शक्तिशाली आईपर एनर्जी बैटरी लगी है, जो 45 वॉट के सुपरवूक फ्लैश चार्ज और चार साल से ज्यादा लंबी उम्र के साथ आती है।

OPPO A3 Proकी डैमेजफ्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी में मजबूत आंतरिक संरचना और अनेक ड्रॉप रजिस्टैंट सामग्री, जैसे स्क्रीन कवर के लिए ब्लू ग्लास डबल टैंपर्ड ग्लास है, जो फोन को रोजमर्रा के धक्कों और टूट-टूट से सुरक्षा प्रदान करता है। फोन के आंतरिक पुर्जों को धक्कों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनके चारों ओर बायोमिमेटिक स्पंज का गद्दा बनाया गया है।ऽ ब्क्ष्ठकको अपनी अत्यधिक मजबूती के लिए एसजीएस ड्रॉप-रजिस्टैंस सर्टिफिकेशन (स्टैंडर्ड) और एसजीएस मिलिटरी स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन दिया गया है।

गिरने से सुरक्षा प्रदान करने के लिए OPPO A3 Proबॉक्स में नए डिज़ाईन के एंटी-ड्रॉप शील्ड केस के साथ आता है। OPPO लैब्स में किए गए परीक्षणों में यह डिवाईस टंबल ड्रम में 450 रोटेशन तक सुरक्षित पाई गई, जिससे बिना केस की तुलना में इसके 200 प्रतिशत ज्यादा सुरक्षित होने का प्रदर्शन होता है।

इसके अलावा, OPPO के स्प्लैश टच फीचर द्वारा फोन को गीले हाथों से उपयोग करना भी संभव हो गया है। इस टेक्नोलॉजी में एक टच चिप के अंदर आधुनिक टच डिटेक्शन एलगोरिद्म होती है, जो स्क्रीन के गीले होने पर टच की एक्युरेसी और रिस्पॉन्सिवनेस बढ़ा देती है। इसकी मदद से यूज़र्स खाना बनाते वक्त, शॉवर लेकर बाहर आते ही फौरन, या फिर ऐसी किसी भी स्थिति में, जब हाथ गीले हों, तब भी अपने फोन को ऑपरेट करना जारी रख सकते हैं। OPPO A3 Proको वॉटर एवं डस्ट रजिस्टैंस के लिए आईपी54 रेटिंग दी गई है, जिसका मतलब है कि यह रोजमर्रा की पानी की फुहार और धूल को सहन कर सकता है। इसे 10 मिनट तक बारिश में रहने पर भी परफेक्ट काम करने के लिए OPPO लैब्स में जाँचा जा चुका है।

OPPO A3 Pro न केवल ड्यूरेबल है, बल्कि यह काफी स्लीक (7.68 मिमी) और लाईटवेट (186 ग्रा.) डिज़ाईन का भी है। यह स्मार्टफोन मूनलाईट पर्पल और स्टैरी ब्लैक में उपलब्ध है। इसमें बैक कवर पर प्रीमियम, ग्लॉसी मिडिल फ्रेम डिज़ाईन और एक रेक्टैंगुलर कैमरा मॉड्यूल लगा है, जो इसे प्रीमियम लुक प्रदान करता है। इसके मूनलाईट पर्पल वैरिएंट में OPPO का मैग्नेटिक पार्टिकल डिज़ाईन है, जो इसके गहरे पर्पल बैक कवर पर डायनामिक फ्लोईंग टैक्सचर का निर्माण करता है, जबकि स्टैरी ब्लैक मॉडल में मैट टैक्सचर है, जो आईकोनिक OPPO ग्लो प्रक्रिया द्वारा बनाया गया है।

ड्यूरेक्स ग्लोबल सेक्स सर्वे से पता चलता है कि पहली बार उपयोगकर्ता अधिक यौन संतुष्टि और अधिक कंडोम चाहते हैं

राष्ट्रीय।

ड्यूरेक्स के नवीनतम वैश्विक सेक्स सर्वेक्षण के अनुसार, अपने पहले यौन अनुभव के दौरान कंडोम का उपयोग करने वाले लोगों का प्रतिशत 2006 में 37% से बढ़कर 2024 में 59% हो गया है। विश्व स्तर पर 118,000 से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया। सेक्स सर्वेक्षण का नवीनतम 2024 संस्करण* दुनिया भर के 36 देशों में आयोजित किया गया था।

ड्यूरेक्स ने अपनी 95वीं वर्षगांठ मनाई दुनिया के सबसे व्यापक यौन स्वास्थ्य और कल्याण सर्वेक्षण में पाया गया है कि कंडोम अभी भी पहली बार कंडोम उपयोगकर्ताओं के बीच दुनिया की सबसे लोकप्रिय गर्भनिरोधक विधि है, जो 2006 से 34% अधिक है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि जो लोग अपने पहले यौन अनुभव के दौरान कंडोम का उपयोग करते हैं, उनके भविष्य में भी कंडोम का उपयोग जारी रखने की संभावना लगभग तीन गुना अधिक होती है।

ड्यूरेक्स-ऑनर के वैश्विक श्रेणी निदेशक बेन विल्सन ने कहा: "इस वर्ष के सर्वेक्षण में इतने सारे लोगों को भाग लेते देखना उत्साहजनक है, हम जानते हैं कि अंतरंग स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर किसी की सेक्स लाइफ ऐसी हो कि उन्हें सकारात्मकता महसूस हो। ड्यूरेक्स 95 वर्षों से नवाचार और सांस्कृतिक नेतृत्व में सबसे आगे रहा है, और यह तो बस शुरुआत है। नवाचार और हमारे ग्राहकों की इच्छाओं की निरंतर बढ़ती समझ के साथ, अगले 95 साल हमें दुनिया भर में अधिक लोगों को बेहतरीन यौन अनुभव प्रदान करने में मदद करेंगे।"

इस वर्ष के सर्वेक्षण के नतीजे बताते हैं कि विश्व स्तर पर, जो लोग अपने यौन स्वास्थ्य से संतुष्ट हैं, उनका स्वास्थ्य भी बेहतर है, क्योंकि सर्वेक्षण में यौन रूप से संतुष्ट 51 प्रतिशत लोगों ने सहमति व्यक्त की कि वे स्वस्थ महसूस करते हैं, 51 प्रतिशत ने सहमति व्यक्त की कि वे अधिक आश्वस्त हैं। और 65 प्रतिशत सहमत थे कि वे अधिक खुश हैं। साथ ही, सर्वेक्षण में शामिल 54 प्रतिशत लोगों ने सहमति व्यक्त की कि उनका यौन जीवन रोमांचक है, जो 2006 के सर्वेक्षण से 11 प्रतिशत की वृद्धि है। 2024 के सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि 2017 की तुलना में, सेक्स टॉय खरीदने वाले लोगों की संख्या में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ल्यूब का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भक्त की कहानी भगवान कृष्ण की झुबानी कलर्स गुजराती की नई श्रृंखला श्याम धुन लागी रे

कलर्स गुजराती श्याम धुन लागी रे के साथ गुजराती मनोरंजन में एक नई मिसाल कायम करने के लिए तैयार है। दर्शकों को चैनल के अनोखे शो में पहली बार भक्त की कहानी भगवान कृष्ण की जुबानी देखने को मिलेगी। नए प्रोमो में, दर्शक आदि कवि नरसिंह मेहता (परेश भट्ट द्वारा अभिनीत) को देखेंगे, जो 15वीं शताब्दी के कवि-संत पैदा हुए मूक थे, लेकिन उनका परिवार उनकी मासूमियत से अभिभूत है। उनकी दादी (नीलू वाघेला) ने एक चमत्कार के लिए श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की, उनका मानना था कि आस्था की सबसे छोटी आवाज भी भगवान कृष्ण तक पहुंच सकती है।

नरसिम्हा की दादी बानी की भूमिका निभाने को लेकर उत्साहित नीलू वाघेला कहती हैं, "इस दिल छू लेने वाली कहानी का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। कलर्स गुजराती सारे, श्याम धुन लागी रे के साथ मेरा पहला जुड़ाव है और मैं इस शो के प्रसारित होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मेरी दादी बा का किरदार नरसिम्हा और भगवान कृष्ण में उनके अटूट विश्वास का समर्थन करता है, जो दर्शाती है कि विश्वास किसी भी चुनौती को पार करने की शक्ति रखता है। यह शो उन सभी को पसंद आएगा जो गुजराती कंटेंट का आनंद लेते हैं।"

देखिए श्याम धुन लागी रे, 15 जुलाई 2024, सोमवार से रविवार, रोजाना शाम 7:30 बजे, केवल कलर्स गुजराती पर

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)